महाबलाय वीराय चिरंजिवीन उद्धते।
हारिणे वज्र देहाय
चोलंग्यितमहाव्यये।।

सांध्य ज्योति दर्पण

www.sandhyajyotidarpan.com

वर्ष 36 | अंक 291 | जयपुर, मंगलवार, 1 अक्टूबर, 2024 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 मूल्य : 2 रु.

पेज-5 कोहली ने सबसे तेजी...

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि॥

कैसे हुई शारदीय नवरात्र की... पेज-6

उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बारां, कोटा, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, टोंक, सीकर, झुंझुनूं, दौसा, अजमेर, रींगस, श्रीमाधोपुर, खाटूश्यामजी, लक्ष्मणगढ़, चौमूं व कुचामनसिटी में प्रसारित।

जेके में जारी है अंतिम चरण का मतदान

11 बजे तक 28 फीसदी मतदाता कर चुके हैं वोटिंग

जम्मू, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी और तीसरे चरण की वोटिंग मंगलवार सुबह 7 बजे से शुरू हो गई है। सवेरे 11 बजे तक 28 फीसदी मतदान होने की खबर है। सात जिलों की 40 विधानसभा सीटों पर शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। इसमें 39.18 लाख वोटर्स शामिल होंगे। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। आखिरी फेज में 415 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 387 पुरुष और 28 महिला उम्मीदवार हैं। उधर, अवामी इत्तेहाद पार्टी के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद ने कहा कि 2014 के बाद से राज्य में लोगों की आवाज दबाई गई। वहीं, गृह मंत्री शाह ने एक्स पर कहा- ऐसी सरकार चुनें, जो अलगावावाद-परिवारवाद को दूर रखे। थर्ड फेज में 169 कैंडिडेट्स करोड़पति और 67 उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू के नगरोटा से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह राणा की सबसे ज्यादा 126 करोड़ की संपत्ति है।

आंतकी अफजल का भाई भी मैदान में

इस फेज में संसद हमले का मास्टरमाइंड अफजल गुरु के बड़े भाई एजाज अहमद गुरु भी चुनावी मैदान में हैं। एजाज गुरु सोपोर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी हैं। नॉर्थ कश्मीर की लंगेट सीट से इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं पूर्व उप मुख्यमंत्री मुजफ्फर हुसैन बेग बारामूला से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। 18 सितंबर को पहले फेज की 24 विधानसभा सीटों वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38 फीसदी वोटिंग हुई वहीं 25 सितंबर को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों 57.31 फीसदी मतदान हुआ।

वांगचुक की गिरफ्तारी से राजनीति गर्माई

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। लद्दाख से यात्रा लेकर आए सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली की सीमा रोकने पर दिल्ली में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने केंद्र पर हमला बोला है वहीं मुख्यमंत्री आतिशी दोपहर एक बजे उनसे मिलने बवाना थाने जा रही हैं।

केजरीवाल ने केंद्र की मोदी सरकर पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में आने से कभी किसानों को रोकते हैं, कभी लद्दाख के लोगों को रोकते हैं। कहा कि दिल्ली में आने का सब को अधिकार है, किसी को रोकना सरासर गलत है। कहा कि निहत्थे शांतिपूर्ण लोगों से आखिर इन्हें क्या डर लग रहा है? उधर, मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा है कि सोनम वांगचुक और हमारे 150 लद्दाखी भाई-बहन शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली आ रहे थे। उनको पुलिस ने रोक लिया है। कल रात से बवाना थाने में कैद हैं। उन्होंने कहा कि क्या लद्दाख के लोकतांत्रिक अधिकार मांगना गलत है? क्या दो अक्टूबर को सत्याग्रहियों का गांधी समाधि जाना गलत है? सोनम वांगचुक को रोकना तानाशाही है। आप के नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी केंद्र सरकार पर भड़के हैं।

एक दिन में 8 लाख करोड़ के एमयूओ

मील का पत्थर साबित हुई ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 को लेकर दिल्ली में सोमवार को इन्वेस्टर मीट का आयोजन हुआ।

इस दौरान राजस्थान में निवेश के लिए राज्य सरकार और निवेशकों के बीच 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि निवेश के लिए अब तक 12.50 लाख करोड़ रुपए के समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। हमारी सरकार अगले 5 सालों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बनाने पर फोकस कर रही है। दिल्ली में इन्वेस्टर मीट को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में हुए रोड शो से ज्यादा राशि के दिल्ली में निवेश हुए हैं। दिल्ली में निवेश के लिए 8 लाख करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, मुंबई में 30 अगस्त को हुए पहले रोड शो में 4.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश के लिए एमओयू या सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर हुए थे।

आर्थिक रूप से समृद्ध हो

इन्वेस्टर मीट के दौरान राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हम एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां राजस्थान न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो, बल्कि समावेशी और सतत विकास के लिए एक मानक भी स्थापित करे। मैं सभी निवेशकों से राजस्थान आने का आह्वान करता हूं। वहीं, राजस्थान सरकार में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि यह इन्वेस्टमेंट समिट अगले 5 वर्षों में राज्य को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की शुरुआत है।

इन कंपनियों ने किए एमओयू

निवेश के लिए जिन प्रमुख कंपनियों और औद्योगिक समूहों ने सरकार के साथ एमओयू किया, उनमें टाटा पावर, इंडियन ऑयल, अवाडा ग्रुप, एनएचपीसी, रिलायंस बायो एनर्जी, टोरेंट पावर, स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन, महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड, टीएचडीसी इंडिया, ऑयल इंडिया, जिंदल रिन्यूएबल पावर, एस्सार रिन्यूएबल्स, इंद्रप्रस्थ गैस, अडानी लॉजिस्टिक्स, जेके सीमेंट, बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज, टीटागढ़ रेल सिस्टम्स जैसी कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

1.2 लाख करोड़ निवेश करेगी टाटा पावर

टाटा पावर ने राजस्थान सरकार के साथ राज्य के बिजली क्षेत्र में 1.2 लाख करोड़ रुपए के निवेश के लिए शुरूआती समझौता किया है। इसमें 75,000 करोड़ रुपए का हरित ऊर्जा में निवेश शामिल है। इस 10 वर्षीय योजना का उद्देश्य राजस्थान को 24 घंटे सस्ती बिजली आपूर्ति प्रदान करना है। इस दौरान, देशी-विदेशी निवेशकों, उद्योग और व्यापार जगत के दिग्गजों, इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स को राज्य में निवेश करने और 9 से 11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान, ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

त्यौहारी सीजन के पहले दिन महंगाई का झटका

एलपीजी सिलैंडर 48.50 रुपए मंहगा | घरेलू एलपीजी के दाम यथावत

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। त्यौहारी सीजन के पहले ही दिन ही महंगाई का झटका लगा है। तेल कंपनियों ने व्यावसायिक सिलैंडर के दाम में 48 रुपए 50 पैसे प्रति सिलैंडर की बढ़ोतरी कर है जो मंगलवार से प्रभावी हो गई है। अब जयपुर में 19 किलो वाले व्यावसायिक सिलैंडर की कीमत 1767 रुपए 50 पैसे मिलेगा। एक सितंबर से एक अक्टूबर यानि एक माह में इसकी कीमत में 87 रुपए 50 पैसे की बढ़ोतरी हो चुकी है। राहत की बात यह रही कि घरेलू सिलैंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। राजधानी जयपुर में इसकी कीमत 806 रुपए 50 पैसे है।

मेट्रो सिटी में नए दाम

- राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर के रेट अब 1740 रुपए हो गए हैं और इसमें 48.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई है
- कोलकाता में 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1850.50 रुपए हो गई है और इसमें 48 रुपए की बढ़ोतरी की गई है
- मुंबई में एलपीजी सिलेंडर के दाम अब 1692 रुपए हो गए हैं और इसमें 48 रुपए की बढ़ोतरी की गई है
- चेन्नई में 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर के रेट अब 1903 रुपए हो गए हैं और इसमें 48 रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

बाजार में फिर मंगल

बढ़त के साथ खुला

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। महीने के पहले कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की बढ़त के साथ 84,450 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 50 अंक की तेजी है, ये 25,850 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज आईटी, पावर और बैंकिंग शेयर्स में बढ़त देखने को मिल रही है। टेक महिंद्रा में करीब 3 फीसदी की तेजी है। बाजार में तेजी लौटने से निवेशकों को कुछ राहत मिल चुकी है क्योंकि कल की भारी गिरावट के बाद आज खरीदारी के मौके लौटने के पूरे संकेत थे। बीएसई का सेंसक्स आज 84,257.17 पर खुला और इसमें बढ़त के साथ शुरुआत हुई। निफ्टी के 50 में से 38 शेयरों में तेजी देखी जा रही है और इसमें 25,788.45 पर कारोबार देखा गया।

किन शेयरों में बन रहा पैसा: टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, इंफोसिस, एलएंडटी के शेयरों में उछाल देखा जा रहा है और ये टॉप गेनर्स बने हुए हैं। सेंसेक्स के टॉप गेनर्स में एमएंडएम का शेयर भी है। सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में तेजी देखी जा रही है और 10 शेयरों में गिरावट बनी हुई है। टॉप लूजर्स में एशियन पेंट्स, टाइटन, सन फार्मा, एचयूएल और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों का नाम है।

कुछ इलाकों में बारिश को पारा भी चढ़ा

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। विदाई से पहले राज्य में अभी कुछ इलाकों में बारिश का दौर जारी है। बीते 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई वहीं पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। राज्य में सबसे अधिक तापमान फलोदी में 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार के मौसम की बात करें तो पूर्वी राजस्थान में कोटा, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर संभाग में कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार गुजरात, राजस्थान और पाकिस्तान सीमा पर एक विपरीत चक्रवाती तंत्र बन रहा है। इसके प्रभाव से राजस्थान में धीरे-धीरे उत्तर-पश्चिमी हवाओं का असर बढ़ेगा और एक-दो दिन में प्रदेश के शेष हिस्सों से भी मानसून की विदाई होने की संभावना है।

बंगाल में 'भगवान' फिर हड़ताल पर

पूरा काम बेमियादी बंद

कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल में कनिष्ठ चिकित्सकों ने सुरक्षा की मांग को लेकर मंगलवार से फिर से काम पूरी तरह बंद कर दिया है। इससे पहले राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में दुष्कर्म-हत्या के बाद शुरू हुई जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल 21 सितंबर को खत्म हुई थी। हालांकि, इसके बावजूद ओपीडी सेवाएं बंद थीं और सिर्फ आपातकालीन सेवाएं ही बहाल हो पाई थीं।

क्या है मामला?

दरअसल, आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए अपना अनिश्चितकालीन पूर्ण काम बंद फिर से शुरू कर दिया। उनकी मांगों में सभी चिकित्सा संस्थानों में डॉक्टर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। इससे पहले जूनियर डॉक्टर्स 42 दिनों के विरोध प्रदर्शन के बाद 21 सितंबर को आंशिक रूप से सरकारी अस्पतालों में अपनी ड्यूटी पर वापस लौटे थे। वे 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ऑन-ड्यूटी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म-हत्या के विरोध में काम बंद आंदोलन पर थे।

वादे न पूरा करने का आरोप

आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टर्स में से एक अनिकेत महतो ने बताया कि हमें सुरक्षा जैसी की हमारी मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं दिख रहा है। आज विरोध प्रदर्शन का 52वां दिन है और हम पर अभी भी हमले हो रहे हैं।

भाजपा नेता की गाड़ी पर फायरिंग?

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। दिल्ली के उत्तम नगर गुरुद्वारे के बाहर खड़ी गाड़ी पर अज्ञात बदमाशों द्वारा फायरिंग करने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक गैंगस्टर गोगी मान के नाम से धमकी की पर्ची भी बदमाशों ने छोड़ी है। पीड़ित बीजेपी सिख नेता रमनजोत सिंह की गाड़ी पर सोमवार रात को 9.30 बजे के आसपास एक बदमाश फायरिंग कर के धमकी की पर्ची डालकर फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि उसके पास कुछ दिन पहले इंटरनेशनल नंबर से खालिस्तानियों के नाम से धमकी का फोन आया था, जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस में भी की थी। इसके बाद मौके पर पुलिस आला अधिकारी पहुंचे और मामले की जांच की। हालांकि, पुलिस को मौके पर गोली का कोई खोल बरामद नहीं हुआ और आगे भी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हमारे निर्देश सभी के लिए होंगे

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। देशभर में चल रहे बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दाखिल जमीयत उलेमा ए हिंद की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं, हम सब नागरिकों के लिए गाइडलाइन जारी करेंगे। अवैध निर्माण हिंदू, मुस्लिम कोई भी कर सकता है। हमारे निर्देश सभी के लिए होंगे, चाहे वे किसी भी धर्म या समुदाय के हों। बेशक, अतिक्रमण के लिए हमने कहा है कि अगर यह सार्वजनिक सड़क या फुटपाथ या जल निकाय या रेलवे लाइन क्षेत्र पर है, तो हमने स्पष्ट कर दिया है। अगर सड़क के बीच में कोई धार्मिक संरचना है, चाहे वह गुरुद्वारा हो या दरगाह या मंदिर, यह सार्वजनिक बाधा नहीं बन सकती। जस्टिस गवई ने कहा कि चाहे मंदिर हो, दरगाह हो, उसे जाना ही होगा क्योंकि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है। जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि यदि 2 संरचनाओं में उल्लंघन हुआ है और केवल 1 के खिलाफ कार्रवाई की जाती है और आप पाते हैं कि पृष्ठभूमि में कोई अपराध है। यह समझौता करने योग्य या गैर समझौता करने योग्य अपराध हो सकता है। यदि आप शुरू में किसी व्यक्ति की जांच कर रहे हैं और आपको जल्द ही उसका आपराधिक इतिहास पता चलता है तो? दो गलतियां एक सही नहीं बनाती हैं. इस बारे में हमारी सहायता करें।

गोविंदा को अपनी ही रिवाल्वर से लगी गोली

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। बॉलीवुड एक्टर और शिव सेना लीडर गोविंदा को अपनी ही रिवॉल्वर से पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना मंगलवार सुबह 5 बजे की बताई जा रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गोविंदा को अपनी ही रिवॉल्वर से पैर में गोली लगी है। इस घटना के बाद उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती किया गया। जिस वक्त ये हादसा हुआ, गोविंदा घर पर अकेले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोविंदा ने पास में ही रह रहे अपने रिश्तेदारों को कॉल किया और उन्होंने मौके पर पहुंचकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक गोली चलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और उन्होंने गोविंदा की बंदूक को अपने कब्जे में ले ली है जिसके बाद से पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अस्पताल में भर्ती खतरे से बाहर

इस तरह हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, एक्टर और शिव सेना लीडर गोविंदा कोलकाता के लिए रवाना होने वाले थे। वह अपनी लाइसेंस्ड रिवॉल्वर केस में रख ही रहे थे कि अचानक बंदूक उनके हाथ से गिर गई और मिस फायर के चलते बुलेट उनके पैर में जा लगी।

अब कैसी है सेहत?

गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने एएनआई को बताया कि डॉक्टर ने एक्टर के पैर से गोली निकाल दी है। वह अब बिल्कुल ठीक हैं। हालांकि, फिलहाल वह अस्पताल में ही हैं।

गोविंदा ने खुद अपना हेल्थ अपडेट दिया

गोविंदा ने खुद अपना हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने कहा, आप लोगों और मां-बाप के आशीर्वाद और गुरु की कृपा की वजह से जो गोली लगी थी वो निकाल दी गई है। मैं धन्यवाद देता हूं यहां के डॉक्टर्स का। आदरणीय डॉक्टर अग्रवाल जी का और आप सब लोगों की प्रार्थनाओं का, आप सब का धन्यवाद।

लेबनान में घुस ही गई इजरायली सेना

जमीनी हमले शुरू, शीर्ष आतंकी ढेर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेन्सी)। इजरायल की सेना आखिरकार दक्षिणी लेबनान में घुस गई है और हिजबुल्लाह के ठिकानों पर जमीनी हमले शुरू कर दिए हैं। फिलिस्तीनी शिविर के अधिकारी ने एएफपी को बताया कि इजरायली हमले ने मंगलवार को दक्षिण लेबनान शहर सिडोन में एक शीर्ष फिलिस्तीनी आतंकवादी को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत के बाद इजरायली सेना लगातार लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर तेजी से कार्रवाई कर रही है। इजरायल के जमीनी हमलों को लेकर फिलिस्तीनी शिविर के अधिकारी ने मामले की संवेदनशील का हवाला देते हुए नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा, इजरायली हमले ने ऐन अल-हेलवे शिविर में मुनीर मकदाह के बेटे के घर को निशाना बनाया। यह स्पष्ट नहीं था कि मकदाह- जिस पर इजराइल ने फतह की सशस्त्र शाखा की लेबनानी शाखा का नेतृत्व करने का आरोप लगाया है, वहां मौजूद था या नहीं।

अमेरिका का इजरायल को समर्थन

अमेरिका शुरुआत से इजरायल के साथ खड़ा रहा है और अब भी पूरी मदद कर रहा है। इजरायल के दक्षिणी लेबनान में हमलों की घोषणा से पहले अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इजरायल ने लेबनान के अंदर छोटे जमीनी हमले शुरू किए थे और इजरायल ने तीन छोटे सीमावर्ती समुदायों को क्लोज मिलिट्री जोन घोषित कर दिया, जिससे केवल सेना के जवानों ही यहां जा सकते हैं। इजरायली सेना ने बयान में कहा, हमने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों के खिलाफ सीमित, स्थानीय और लक्षित जमीनी हमले शुरू कर दिए हैं। ये लक्ष्य सीमा के नजदीक गांवों में स्थित हैं और उत्तरी इजराइल में इजरायली समुदायों के लिए तत्काल खतरा पैदा करते हैं।

लंबे समय के बाद खुली हाउसिंग बोर्ड की ई-नीलामी

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। राजस्थान आवासन मंडल की ओर से लंबे समय बाद राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम प्रॉपर्टीज की नीलामी की जा रही है। राजस्थान आवासन मंडल ने जयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न शहरों में स्थित आवासीय व व्यावसायिक भूखंड एवं निर्मित आवास नीलामी के माध्यम से उपलब्ध करवाए हैं। आवासन मंडल की ओर से प्रीमियम प्रॉपर्टी की ई-नीलामी 4 स्लॉट्स में की जाएगी।

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि राजस्थान आवासन मंडल एक बार फिर आमजन के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। राजस्थान के प्रमुख शहरों में प्रीमियम संपत्ति खरीदने का आमजन के पास अब सुनहरा मौका है। आवासन मंडल की ओर से जयपुर, भरतपुर, फलोदी, बीकानेर, अलवर, चूरू, सीकर, जोधपुर और भिवाड़ी में प्रीमियम संपत्तियों की ई-नीलामी की जा रही है। डॉ. शर्मा ने बताया कि राजस्थान में 4 स्लॉट्स में ई-नीलामी होगी 3 अक्टूबर से 5 अक्टूबर, 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर, 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर और 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक 4 अलग-अलग स्लॉट्स में भूखंडों की नीलामी होगी। जिनमें आवासीय और व्यावसायिक दोनों तरह के भूखंड और आवासीय निर्माण शामिल हैं। जयपुर में 11 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 39 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 31 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास बीकानेर में 46 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास भिवाड़ी में 3 बड़े व्यावसायिक भूखंड, 29 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास फलोदी में 1 बड़ा व्यावसायिक भूखंड अलवर में 3 छोटे व्यावसायिक भूखंड, 7 आवासीय भूखंड और निर्मित आवास चूरू में 9 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास सीकर में 4 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास भरतपुर में 7 आवासीय भूखंड एवं निर्मित आवास नीलामी के लिए उपलब्ध हैं।

मौसमी बीमारियों को लेकर कार्मिक अलर्ट मोड पर रहें : खींवसर

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि विगत कुछ दिन से मौसमी बीमारियों के केस में वृद्धि को देखते हुए चिकित्सा विभाग हाई अलर्ट मोड पर रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। सभी अधिकारी एवं कार्मिक कार्य स्थल पर उपस्थित रहते हुए रोगियों को तत्काल जांच एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध कराएं। मौसमी बीमारियों के प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं हो।

खींवसर सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेशभर में मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार आगामी करीब एक माह मौसमी बीमारियों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है, इसे ध्यान में रखते हुए मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के माकूल इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि जिन जिलों में मौसमी बीमारियों के केस ज्यादा सामने आ रहे हैं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए। अधिकारी इन जिलों में लगातार निगरानी रखते हुए सघन रोकथाम गतिविधियां संचालित करवाएं। एंटीलार्वल, सोर्स रिडक्शन एवं फॉगिंग सहित अन्य गतिविधियां नियमित रूप से हों। इसके लिए नगरीय निकाय सहित संबंधित विभागों के साथ समुचित समन्वय स्थापित किया जाए। चिकित्सा मंत्री ने अस्पतालों में जांच किट्स एवं दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के केस ज्यादा हैं, वहां डेडीकेटेड ओपीडी संचालित करने के साथ ही रोगियों के लिए बेड की समुचित उपलब्धता रखी जाए। आवश्यकता अनुसार वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं। किसी रोगी को उपचार में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। खींवसर ने जिलावार मौसमी बीमारियों के केसों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि राज्य स्तर के साथ साथ संभाग एवं जिला स्तर पर नियमित मीटरिंग की जाए। अस्पतालों के औचक निरीक्षण किए जाएं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी जिलों में मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर आई ई सी गतिविधियां की जाएं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोगी घरेलू नुस्खे अपनाते हैं और स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर अस्पताल पहुंचते हैं। इसके चलते कई बार रोगी का जीवन बचा पाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति से बचने के लिए आमजन को डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया आदि के लक्षण, जांच एवं उपचार के बारे में जानकारी दी जाए और समय पर उपचार के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रभावी प्रबंधन के कारण प्रदेश में अब तक मौसमी बीमारियों की स्थिति नियंत्रण में रही है। केस विगत वर्ष के मुकाबले कम होने के साथ ही मौसमी बीमारियों से मृत्यु के मामले नगण्य हैं। सभी जिलों में जांच एवं उपचार की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। बैठक में चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण डॉ प्रवीण असवाल, मेडिकल कालेजों के प्रधानाचार्य, अधीक्षक, संयुक्त निदेशक जोन, सीएमएचओ, पीएमओ, बीसीएमओ, सीएचसी प्रभारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लंबित राजस्व प्रकरणों का त्वरित निस्तारण हो : डॉ. सोनी

कलक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। जिले में लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हो इसके लिए राजस्व अधिकारी महीने में दो दिन राजस्व वाद निस्तारण शिविरों का आयोजन करें। इन शिविरों में बार और बेंच के बीच सहयोग एवं समन्वय स्थापित करते हुए लंबे समय से राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की मिशन मोड पर सुनवाई हो ताकि आमजन को राहत मिले। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का।

सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जयपुर, जयपुर ग्रामीण जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में राजस्व अधिकारी कुर्रेजात, सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी एवं भू-रूपांतरण सहित राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें। बैठक में जिला कलक्टर ने कई राजस्व अधिकारियों को प्रदर्शन और बेहतर करने एवं लंबित राजस्व वादों में कमी लाने के लिए सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान किया।

बैठक कलक्टर ने अधिकारियों को पेंशन संबंधित प्रकरणों का भी निस्तारण के लिए राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। साथ ही, रात्रि चौपाल एवं दौरों का विवरण संपर्क पोर्टल पर अपलोड करने के साथ-साथ राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करने एवं रात्रि चौपाल के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर ही जनसुनवाई कर अभाव अभियोगों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनिता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुमन पंवार, मुकेश मूंड सहित जयपुर, जयपुर ग्रामीण जिले के समस्त उपखंड अधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अतिक्रमण, अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ करें कार्यवाही : देवनानी

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने निर्देश दिए है कि प्रशासन और पुलिस अतिक्रमण, अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। आमजन में संदेश जाना चाहिए कि गलत काम करने वालो को बख्शा नहीं जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को अजमेर के सर्किट हाऊस में प्रशासन व पुलिस के बड़े अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में संभागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक ओम प्रकाश, जिला कलक्टर लोक बंधु और पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा सहित नगर निगम एवं अजमेर विकास प्राधिकरण के बड़े अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शहर में बढ़ते अपराध, अतिक्रमण एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियां चिंताजनक है। इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। प्रशासन एवं पुलिस इस तरह के मामलों पर नजर रखे एवं सख्त कार्यवाही करें। समाज में यह संदेश जाना चाहिए कि गलत काम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन एवं पुलिस से लोगों व घटनाओं को चिन्हित कर त्वरित गति से एक्शन लें। जहां भी इस तरह के अपराधों के होने की आशंका है। वहां पहले ही निरोधात्मक उपाय किया जाएं। देवनानी ने निर्देश दिए कि दरगार सम्पर्क सड़क, दिल्ली गेट व शहर के अन्य हिस्सों में बढ़ते अपराधों पर लगाम कसी जाए। कई बार इन अपराधों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की भूमिका सामने आती है। इन सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। दरगाह सम्पर्क सड़क पर स्थायी पुलिस चौकी की स्थापना शीघ्र हो। बजट घोषणा की अनुपालना में हरिभाऊ उपाध्याय नगर में थाने के निर्माण व शुरूआत का काम जल्द करवाया जाए। इसी तरह शहर में भूमाफियाओं के लोगों को परेशान करने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इन्हें चिन्हित कर सख्त कार्यवाही की जाए। हाल ही में जैन समाज की दो महिलाओं का अपहरण किया गया। इस मामले में सख्त कार्यवाही हो। देवनानी ने कहा कि शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से पाबन्दी लगाई जाए। उन्हें तय समय में ही प्रवेश दिया जाए।

वन मंत्री ने लिया करणी माता मेले की तैयारियों का जायजा

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने सोमवार को अलवर में प्रताप बंध से करणी माता मंदिर तक रास्ते का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 3 से 11 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले करणी माता मेले से पूर्व रास्ते की सुरक्षा दीवार व सड़क की मरम्मत आदि कार्य पूर्ण कर लें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होवे। शर्मा ने निर्देश दिये कि वन नाका से मन्दिर तक के रास्ते में सड़क के दोनों ओर हो रहे गड्ढों को भरवाना सुनिश्चित किया जाये तथा क्षतिग्रस्त दीवारों के पास मजबूत बैरिकेडिंग करावें। उन्होंने निर्देश दिये कि चक्रधारी हनुमानजी के पास से करणी माता मंदिर तक जाने वाले पैदल रास्ते को सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन सांय 5 बजे तक श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु खोलें, श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने सड़क के प्रत्येक मोड़ पर लाल रंग के रिफ्लैक्टर संकेतक लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए कि मेले में वृद्ध, असहाय एवं दिव्यांग लोगों को लाने व जे जाने के लिए एक अलवर वाहिनी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मेले के दौरान यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि जाम आदि नहीं हो।

इस दौरान नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, सीसीएफ सरिस्का अभिमन्यु सिंह, पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अभियन्ता अल्का व्यास व संबंधित अधिकारी एवं पं. जलेसिंह मौजूद रहे।

पेट्रोल के अवैध भंडारण का पर्दाफाश

359 लीटर पेट्रोल किया बरामद

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर रसद विभाग ने जयपुर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला रसद अधिकारी, जयपुर द्वितीय त्रिलोक चन्द मीना ने बताया कि विभाग के प्रवर्तन दस्ते ने जिले के दो स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से स्टॉक किया गया 359 लीटर पेट्रोल बरामद किया है। सांगानेर के छीतरोली में एचपीसीएल डिपो के पीछे विभाग के प्रवर्तन दल ने कार्रवाई करते हुए एक बाड़े से 202 लीटर पेट्रोल बरामद किया। वहीं, प्रवर्तन दल ने दूसरी कार्यवाई को अंजाम देते हुए एचपीसीएल डिपो रोड छीतरोली में एक बाड़े से अवैध भंडारित किये गए 157 लीटर पेट्रोल जब्त कर पुलिस थाना बगरू को सुपुर्द किया है। कार्रवाई के दौरान जिला रसद अधिकारी त्रिलोक चन्द मीना के साथ प्रवर्तन अधिकारी महेश मीणा एवं प्रवर्तन निरीक्षक मुकेश खींची उपस्थित रहे। जिला रसद अधिकारी द्वारा आरोपियों के खिलाफ थाना बगरू में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गई है।

महान व्यक्तियों की स्मृतियां देती हैं अच्छे कार्य की प्रेरणा : गहलोत

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं चूरू जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा है कि महान पुरुषों की स्मृतियां हम सभी को जीवन में अच्छे काम करने की प्रेरणा देती हैं। हमें अपने जीवन में यह कोशिश करनी चाहिए कि हम उनकी अच्छाइयों को अपने जीवन में उतारें और उनके आदर्शों पर चलें।

प्रभारी मंत्री गहलोत सोमवार शाम चूरू के गांव सातड़ा में आयोजित पूर्व प्रधान चौधरी गणपत राम न्यौल के मूर्ति अनावरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि चौ. गणपतराम ने शिक्षा और समाज सेवा को अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी प्रतिमा हम सभी को हमेशा उनके बेहतर कामों की याद दिलाएगी और हम सब अपने जीवन में कुछ सार्थक करने की प्रेरणा लेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वजों के अच्छे कार्यों से हमें इज्जत मिलती है तो हमें भी अच्छे कार्य कर उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चौधरी गणपत राम का जीवन हमें इस बात की प्रेरणा देता है कि हमें अपने जीवन में राष्ट्र को प्रथम रखकर सार्वजनिक हित को तरजीह देनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि चौ. गणपत राम एक सीधे-सरल इंसान, एक सच्चे जनप्रतिनिधि थे जिन्होंने पूरा जीवन शुचिता से बिताया और जो कहा, वही किया। उन्होंने कहा कि चौधरीजी कुशाग्र बुद्धि के धनी थे जिन्होंने अपनी लगन से इस क्षेत्र को शिक्षा के रास्ते पर अग्रसर किया। उन्होंने चौ. गणपत राम के साथ बिताए पलों की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि चौधरीजी ने उस समय ग्रामीण विकास की दिशा में काम करते हुए ग्राम स्वराज्य की अवधारणा को साकार किया जब पंचायतों के पास इतने अधिकार और संसाधन नहीं होते थे। वो उस जमाने में भी सबको साथ लेकर चलने और सबके विकास की बात करते थे, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चौ. गणपत राम ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और किसानों के पक्ष में हमेशा खड़े रहे।

विशिष्ट अतिथि विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि चौ. गणपतराम ने शिक्षा एवं समाज सरोकार के क्षेत्र में अपना जीवन अर्पित किया। उनके आदर्श हमारे लिए मशाल का काम करते हैं। सरपंच से लेकर प्रधान तक के राजनीतिक सफर में उन्होंने एकदम बेदाग राजनीति की। विशिष्ट अतिथि पीसीआई के अध्यक्ष पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया ने कहा कि चौ. गणपत राम ने इस क्षेत्र में शिक्षा की नींव रखी और उच्च प्राथमिक स्कूल से लेकर उच्च माध्यमिक स्कूल खुलवाने तक में उनका बड़ा योगदान है, यह अपने आप में प्रेरणा देने वाली बात है। देवेंद्र ने कहा कि चौधरी का जीवन इस बात की मिसाल है कि यदि एक आदमी अपने जीवन में ठान ले तो वह कुछ भी कर सकता है। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि चौ. गणपत राम ने सामाजिक मूल्यों के लिए काम किया और शिक्षित व बेहतर समाज का सपना देखा। विशिष्ट अतिथि वासुदेव चावला ने कहा कि अपने जीवन में सामाजिक समरसता और शिक्षा के लिए काम करने वाले चौ. गणपत राम की स्मृतियों को संजोने का बहुत पवित्र काम आज हुआ है। हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम उनके पदचिन्हों पर चलकर समाज के विकास की दिशा में सतत प्रयासरत रहेंगे। कार्यक्रम को अपना सान्निध्य प्रदान करते हुए संत दयानाथ ने कहा कि समाज की सेवा से ही जीवन सार्थक और सफल होता है, हमें इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल, विशिष्ट अतिथि प्रधान दीपचंद राहड़, विशिष्ट अतिथि बसंत शर्मा, शिक्षाविद् दयाराम महरिया ने भी विचार व्यक्त करते हुए चौ. गणपत राम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सराहना की। इससे पूर्व प्रभारी मंत्री गहलोत, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़, विधायक सहारण, देवेंद्र झाझड़िया, जिला प्रमुख वंदना आर्य, प्रधान दीपचंद राहड़, वासुदेव चावला आदि ने पूर्व प्रधान चौधरी गणपत राम न्यौल की प्रतिमा का अनावरण किया।

हैल्प लाइन

अग्निशमन केंद्र

फायर स्टेशन	101
बनीपार्क	2201898
बाइस गोदाम	2211258
घाटगेट	2615550
वीकेआई क्षेत्र	2332573
एमआई रोड	2375925

ट्यूरिस्ट पैलेस

आमेर किला	2530293
बिड़ला तारामंडल	2385367
सिटी प्लैस	2608055
हवामहल	2618862
जंतर-मंतर	2610494
जयगढ़ किला	2671848
अल्बर्ट हॉल (संग्रहालय)	2565124
सिसोदिया गार्डन	2680494
चिड़िया घर	2617319
साइंस पार्क	2304654

पुलिस

पुलिस	100
कंट्रोल रूम (जयपुर)	2388435-38
ग्रामीण	2209741
यातायात	2565630

दुर्घटना सेल

पूर्व	2703992
पश्चिम	2209040
उत्तर	2609719
दक्षिण	2372992

सांस्कृतिक केन्द्र

बिड़ला ऑडिटोरियम	2385224
जवाहर कला केन्द	2706503
रवीन्द्र मंच	2619061

आज का राशिफल

मंगलवार, 1 अक्टूबर, 2024

- **मेष :** आज मनचाहे नतीजे देने वाला दिन है। सोची हुई योजनाएं सफल होती नजर आएंगी। खुद को भावनात्मक रूप से बहुत ही सशक्त महसूस करेंगे। आपके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। घर के वरिष्ठ सदस्यों के सहयोग आशीर्वाद से आप की योजनाओं को बल मिलेगा।
- **वृष :** भावनाओं पर काबू रखें तथा प्रैक्टिकल बने इससे आप और अधिक सहजता से निर्णय ले पाएंगे। किसी पारिवारिक सदस्य की तरफ से कोई संतोषजनक सूचना मिलने से मन प्रफुल्लित रहेगा तथा कोई मनोरंजक यात्रा संबंधी प्रोग्राम भी बनेगा।
- **मिथुन :** ग्रह गोचर अनुकूल है। किसी दोस्त या रिश्तेदार के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होगी। आपसी संबंधों में सुधार होगा। युवाओं को करियर संबंधित मेहनत के मनचाहे नतीजे मिल सकते हैं। अत्यधिक कार्य का बोझ आपके लिए परेशानी का कारण भी बन सकता है।
- **कर्क :** सुकून भरी दिनचर्या रहेगी। युवा वर्ग कोई दुविधा दूर होने से राहत की सांस लेंगे तथा कोई बड़ा फैसला लेने की भी हिम्मत आएगी। यह समय उन्नति दायक है। मेहनत के मनोनुकूल परिणाम मिलेंगे। इन्वेस्टमेंट करने का विचार है, तो समय अनुकूल है।
- **सिंह :** वरिष्ठ लोगों का सानिध्य और मार्गदर्शन मिलेगा। लंबे समय से चल रही किसी चिंता व तनाव से राहत मिलेगी। कार्य को करने से पहले उसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर सोच-विचार कर ले, निश्चित ही सफलता मिलेगी।
- **कन्या :** मित्रों तथा संबंधियों के साथ मुलाकात के अवसर बनेंगे। किसी पारिवारिक अविवाहित सदस्य के लिए अच्छा रिश्ता भी आ सकता है। कुछ समय से आप अपने जिस कार्य को लेकर अधिक मेहनत कर रहे थे, आज उसके अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है।
- **तुला :** अपने काम को रचनात्मक रूप देने के लिए अपनी कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाना बेहतर रहेगा। किसी भी दुविधा की स्थिति में अनुभवी लोगों से विचार विमर्श करें, आपको तुरंत समाधान मिलेगा।
- **वृश्चिक :** अचानक ही कोई रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से तनाव दूर होगा। अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाने के लिए आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में भी आपकी रूचि रहेगी।
- **धनु :** आज ग्रह स्थिति कुछ अनुकूल रहेगी। पिछले कुछ समय से चल रहे तनाव से भी राहत मिलेगी। घर की सुख-सुविधाओं संबंधी जरूरतें पूरी करने में आपका विशेष प्रयास रहेगा। युवा वर्ग भी अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे।
- **मकर :** अपने किसी भी फोन कॉल आदि को नजरअंदाज ना करें तथा मार्केटिंग व मीडिया से संबंधित कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित रखें। क्योंकि आपका कोई विशेष प्रयोजन हल हो सकता है।
- **कुंभ :** कुछ समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी परेशानी में आज सुधार महसूस करेंगे। तथा दोबारा अपने व्यक्तिगत कार्यों में अपना ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह पर अमल करना आपको उचित मार्गदर्शन देगा।
- **मीन :** दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी और इससे आप अपने अन्य कार्यों पर भी ध्यान दे पाएंगे। नजदीकी दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मनोरंजन व मेल-मिलाप में बेहतरीन समय व्यतीत होगा। युवाओं को अपने भविष्य से संबंधित कोई बेहतरीन उपलब्धि मिल सकती हैं।

तीन हजार 164 वरिष्ठ नागरिक ट्रेन व हवाई जहाज से तीर्थयात्रा पर जाएंगे

जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने निकाली ऑनलाइन लॉटरी

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2024 के तहत जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिले के 3 हजार 164 वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा की सौगात मिलेगी। सोमवार को शासन सचिवालय में जिले के प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने सफल आवेदकों की ऑनलाइन लॉटरी निकाली।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2024 के तहत राजस्थान सरकार प्रदेश के 36 हजार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा की सौगात दे रही है। योजना के तहत जयपुर जिले के 1 हजार 594 वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क तीर्थ यात्रा की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। जिसमें 266 यात्री हवाई जहाज से तो वहीं 1 हजार 328 यात्री रेल मार्ग से तीर्थ यात्रा योजना से लाभान्वित होंगे।

इस प्रकार जयपुर ग्रामीण जिले के कुल 1 हजार 406 सफल आवेदक नि:शुल्क तीर्थ यात्रा योजना से लाभांवित होंगे जिनमें से 234 यात्री हवाई यात्रा से तो वहीं 1 हजार 172 वरिष्ठ नागरिक रेल यात्रा से तीर्थ यात्रा करेंगे। दूदू जिले के कुल 164 सफल आवेदक नि:शुल्क तीर्थ यात्रा के लिए चयनित किये गए हैं। इनमें से 27 सफल आवेदक हवाई जहाज तो वहीं, 136 यात्री रेल द्वारा नि:शुल्क तीर्थ यात्रा योजना से लाभान्वित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि हवाई यात्रा से चयनित सफल आवेदकों को काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ और रेल मार्ग द्वारा रामेश्वरम-मदुरई, जगन्नाथ पुरी, तिरुपति, द्वारकापुरी-सोमनाथ, वैष्णो देवी-अमृतसर, प्रयागराज-वाराणसी, मथुरा-वृंदावन, सम्मेदशिखर-पावापुरी-बैद्यनाथ, उज्जैन-ओंकारेश्वर- त्रयम्बकेश्वर, गंगासागर, कामाख्या, हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या, मथुरा-अयोध्या, बिहारशरीफ, वेलकानी चर्च तीर्थ यात्रा से लाभान्वित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 70 साल से अधिक उम्र के तीर्थ यात्रा अपने साथ एक अटेंडेंट ले जा सकते हैं। जोड़े से तीर्थ यात्रा पर जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों में से एक की उम्र 60 साल या अधिक है और दूसरे की उम्र 60 से कम है तो भी एक साथ यात्रा पर जा सकते हैं। ट्रेन और हवाई जहाज में यात्रियों के साथ चिकित्सा स्टाफ, सुरक्षा स्टाफ और सरकारी कर्मचारी भी जाएंगे।

इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, जिला परिषद सीईओ प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त योगेश दाधीच, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुमन पंवार सहित देवस्थान विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम ग्रेटर की नव नियुक्त महापौर कुसुम यादव ने सोमवार को खोले के हनुमानजी मंदिर में दर्शन किए। मंदिर कमेटी की ओर से महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर यादव का सम्मान किया गया।

एससी-एसटी रेलवे एम्प्लाइज एसोसिएशन की जोनल कार्यकारिणी के चुनाव आयोजित

जयपुर, 1 अक्टूबर। आल इंडिया एससी-एसटी रेलवे एम्प्लाइज एसोसिएशन, उत्तर पश्चिम रेलवे की जोनल कार्यकारिणी के चुनाव आज लोको कॉलोनी स्थित एसोसिएशन के कार्यालय में संपन्न हुए। जिसमें एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.एल.बैरवा आठवीं बार निर्विरोध जोनल सचिव चुने गए। जोनल अध्यक्ष पद पर टी.आर.मीणा, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष पद पर विनोद कुमार मीणा, जोनल अतिरिक्त सचिव पद पर राम सिंह व जोनल कोषाध्यक्ष पद पर घासी राम नरेडिया निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गए। चुनाव अधिकारी रामबाबू लाल गौतम व सहायक चुनाव अधिकारी चरण दास मीणा ने सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया को लोकतांत्रिक ढंग से शांतिपूर्ण संपन्न करवाया तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

रोटरी क्लब ने रोगियों को बांटी उपयोगी सामग्री

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। रोटरी क्लब जयपुर सेंट्रल की ओर से कम्युनिटी एक्टिविटी के रूप में निर्माण नगर स्थित एड्स पीड़ित बालिकाओं के को 'आश्रय केयर होम' में उपयोगी सामग्री वितरित की गई। क्लब के अध्यक्ष डॉ. आनन्द जिन्दल ने बताया कि आश्रम में रह रही 32 बालिकाओं को पुस्तकें, बेड शीट्स, टिफ़िन, स्टेशनरी, 6 माह की दवाएं वितरित की गई। सचिव अरुण शर्मा ने धन्यवाद संबोधन दिया। इस मौके पर नागेंद्र चौधरी, संजय जैन, मुकेश सोगानी, कपिल निगम, आरती दूबे, रवीना श्रीवास्तव, जसविंदर सहगल, अखिलेश वशिष्ठ, अशोक टाटार, अजय गुप्ता, बी.एल.स्वामी एवं मदन कपूरिया मौजूद रहे।

नवनियुक्त पशु चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। शासन सचिव, पशुपालन डॉ. समित शर्मा ने टोंक रोड स्थित पशुधन भवन में नव नियुक्त पशु चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण का ऑनलाइन शुभारंभ सोमवार को किया। इस अवसर पर संभागियों का स्वागत करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण उनकी कार्य क्षमता और दक्षता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा और वे इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। शर्मा ने कहा कि विभाग के नए पशु चिकित्सा अधिकारी बहुत मूल्यवान साबित होंगे और विभागीय योजनाओं की क्रियान्विति एवं अपनी सेवाएं प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकारियों से लोक सेवक के रूप में पूरी पारदर्शिता, विनम्रता, ईमानदारी, प्रतिबद्धता, अनुशासन और समयबद्धता के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि जानवरों की जान भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी मनुष्य की। उन्होंने कार्य के दौरान दया भावना के साथ काम करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि नवनियुक्त पशु चिकित्सकों को विभाग की संरचना, योजनाएं ओर हर तरह की गतिविधियों की जानकारी इस प्रशिक्षण के माध्यम से दी जाएगी।

मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों के प्रबंधन को और सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों एवं उनसे जुड़े अस्पतालों की विभिन्न समस्याओं को दूर कर प्रबंधन को और सुदृढ़ किया जाएगा। इन अस्पतालों को पेशेंट फ्रेण्डली बनाने के साथ ही उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध करवाने के लिए प्रभावी प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में प्रदेश के 6 मेडिकल कॉलेजों के कार्यों की समीक्षा के दौरान इस संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य और जनसेवा से जुड़े इन संस्थानों के उन्नयन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। विभाग के सभी अधिकारी एवं चिकित्सक संकल्पित एवं समन्वित प्रयासों से मेडिकल कॉलेजों एवं संबद्ध अस्पतालों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं।

अम्बरीष कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी बजट घोषणाओं के तहत होने वाले कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें निर्धारित टाइमलाइन में पूरा करने का प्रयास करें। जिन बजट घोषणाओं में राज्य सरकार से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जानी है, उनके प्रस्ताव शीघ्र भिजवाए जाएं। इसमें किसी तरह का विलम्ब नहीं हो।

राजेंद्र मीणा बने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। अखिल भारतीय आयकर कर्मचारी महासंघ, नई दिल्ली का 32वां अखिल भारतीय प्रतिनिधि सम्मेलन कोलकाता में आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अध्यक्ष भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में इनकम टैक्स एंपलॉयर्स फेडरेशन राजस्थान सर्किल के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार मीणा को महासंघ का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया जबकि राजस्थान सर्किल के महासचिव सियाराम स्वामी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पर निर्वाचित किया गया। सम्मेलन में ऑल इंडिया आईटीएफ महासचिव रूपक सरकार ने संगठन की रूपरेखा की जानकारी दी जबकि अध्यक्ष वेंकटेश ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विडियोन ग्रुप में मनाया सफलता का उत्सव

सांध्य ज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। कन्दोई विडियोन ग्रुप (इलैक्ट्रोनिक डिविजन) द्वारा अपने 41 वर्षों की सफलता के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कन्दोई विडियोन ग्रुप की 41 वर्षों के मेहनत और सफलता का उत्सव मनाया गया। इसमें आगामी त्यौहारी सीजन दशहरा, दिवाली और अन्य त्यौहारों में व्यवसायिक चुनौतियों को देखते हुए किस प्रकार ज्यादा से ज्यादा अच्छे उत्पाद उचित मूल्य पर ग्राहकों को उपलबध करवाये जाए और उपहार आदि की स्कीम तैयार की जाए, इस पर चर्चा की गई। कन्दोई विडियोन परिवार के पास 41 वर्ष की इस यात्रा में गुलाबी नगर वासियों के अपने 4 लाख से अधिक संतुष्ट ग्राहकों का भरोसा जुड़ा हुआ है।

विज्ञापन व समाचार के लिए सम्पर्क करें

दैनिक सांध्य ज्योति दर्पण में सी - स्कीम, श्याम नगर, सिविल लाईंस, वैशाली नगर, चित्रकूट, निर्माण नगर, अजमेर रोड वासी अपने क्षेत्र के समाचार वर्गीकृत विज्ञापन, सजावटी विज्ञापन तथा विज्ञापन बुकिंग काउंटर के लिए सम्पर्क करें।

सुरेन्द्र मारवाल
मारवाल पब्लिसिटी
मारवाल हाऊस, हवा सड़क,
सिविल लाइन्स, जयपुर-302006
मोबाइल : 93144-33020

दैनिक सांध्य ज्योति दर्पण हेतु राजापार्क एरिया के समाचार सकंलन एवं विज्ञापन बुकिंग के लिए सम्पर्क करें

मौलिक एडवरटाइजिंग एजेन्सी
एस-28, सरदार भवन, वसुन्धरा कॉलोनी, बिग बाजार वाली गली, टोंक रोड,
जयपुर 302018
फोन : 2703404
मो. 9828164559
फैक्स नं. 0141-2707338

चौमूं
विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें
मनीष यादव
यादव एडवरटाइजिंग एजेन्सी
सांध्य ज्योति दर्पण
धोली मण्डी, तनिष्का आयुर्वेदिक के पास, चौमूं
मो. 9667902742

अपने प्रियजनों की स्मृति में श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि, तीये की बैठक और शोक संदेश के विज्ञापन मय फोटो साइज 5|4 सेमी मात्र 500/- रु. में प्रकाशित करायें।

दूरदर्शन केंद्र जयपुर में हिंदी पखवाड़ा सम्पन्न

सांध्यज्योति संवाददाता

जयपुर, 1 अक्टूबर। दूरदर्शन केंद्र जयपुर में हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि हिंदी के विकास में दूरदर्शन और आकाशवाणी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने इस अवसर पर हिंदी प्रतियोगिताओं में विजेता रहने वाले दूरदर्शन के अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी और हिंदी में सतत कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजभाषा अधिकारी डॉ.वासुदेव शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख सतीश देपाल ने राजभाषा की गतिविधियों और नवाचारों पर विस्तार से जानकारी साझा की! कार्यक्रम प्रमुख सीमा विजय ने हिंदी की महिमा बताते हुए दूरदर्शन के कार्यक्रमों में लगातार बढ़ रहे हिंदी के प्रयोग और प्रोत्साहन पर चर्चा की। समाचार प्रमुख मंजू मीणा ने इस अवसर पर कहा कि हिंदी प्रेम और अपनत्व की भाषा है जो जोड़ने का काम करती है।

सहायक निदेशक कार्यक्रम राकेश जैन ने हिंदी के वैश्विक स्तर पर प्रयोग और लोकप्रियता को बताया। इस अवसर पर राजभाषा अनुभाग द्वारा तैयार की गई ई-पत्रिका राजदर्शन का विमोचन भी सांसद जयपुर शहर मंजू शर्मा व अन्य अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम अधिकारी एवं राजभाषा अनुभाग संयोजक वीरेन्द्र कुमार परिहार ने किया। राजभाषा अनुभाग में उल्लेखनीय कार्यों एवं नवाचारों के लिए डॉ.वासुदेव शर्मा, वीरेन्द्र परिहार, राज सिंह राठौर एवं देवेंद्र सोगरा को इस अवसर पर प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर निदेशक अभियांत्रिकी निलेश खंडेलवाल, उपनिदेशक अभियांत्रिकी राजीव गुप्ता, सहायक निदेशक समाचार मुरारी लाल गुप्ता ,सहायक निदेशक समाचार जया गुप्ता मौजूद रहे। अंत में सहायक निदेशक कार्यक्रम सुरेश चंद्र मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेशक 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय MM-18 सांगानेर
स्थान जयपुर महानगर प्रथम
मनमोहन कुमार नागपाल विरूद्ध
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया व अन्य
वाद बाबत दीवानी दावा
वाद सं. 208/2024

नाम श्रीमती सोनिया आनन्द (ठकराल), स्थान E-23 मालवीय नगर, नियर मौजी कॉलोनी, जयपुर-302017 श्रीमती सोनिया आनन्द (ठकराल) A/23 सर्वोदय एन्क्लेव श्री ओरबिन्दो मार्ग, नई दिल्ली-110017
नाम सियाराम शरण सिंघल जरिये अधिकृत प्रतिनिधी श्री सियाराम शरण सिंघल, स्थान (जे.एस.ई.-466), लूणावत मार्केट, जौहरी बाजार, जयपुर ने आपके विरुद्ध...........के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में 14 अक्टूबर 2024 को दिन में 10 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वादकी सुनवाई और इसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 10/09/24 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

आज्ञा से
शेरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18, सांगानेर, जयपुर महानगर

पाठकों को सलाह

पाठकों को परामर्श दिया जाता है कि विज्ञापनों के सम्बन्ध में कोई भी व्यवहार करने से पहले तथ्यों की समुचित जांच अवश्य कर लें, क्योंकि सांध्य ज्योति दर्पण विज्ञापनदाताओं द्वारा किए गए किसी भी दावे का न तो कोई आश्वासन देता है और न ही समर्थन करता है। इसलिए पाठकों को स्वयं ही अपने आधार पर सभी तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के लेन-देन के लिए यह समाचार-पत्र उत्तरदायी नहीं होगा।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड बयाना
क्रमांक: 1075 दिनांक: 25.09.2024

निविदा सूचना संख्या 10/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बयाना में भवन निर्माण कुल 01 निर्माण कार्य दोष निवारण के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समसत विवरण वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
NIB No. PWD2425A1723
UBN No. PWD2425WSOB06521 (Rs. 81.00 Lakhs)

अधिशाषी अभियन्ता
डीआईपीआर/सी/9244/24 सा.नि.वि. खण्ड बयाना

राजस्थान सरकार
कार्यालय तहसीलदार सीकर ग्रामीण मु. सबलपुरा
क्रमांक :- राजस्व / 2024 / 1735 दिनांक:- 30/9/24
आम सूचना का नोटिस

हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि **स्व. श्री रामदेव पुत्र स्व. भागीरथ जाति जांगिड़ निवासी पालड़ी तहसील लक्ष्मणगढ़, जिला सीकर** की दिनांक 10.10.2021 को मृत्यु हो चुकी है। रामदेव पुत्र भागीरथ की स्वयं की खातेदारी में दर्ज कृषि भूमि, जो कि ग्राम कूदन में स्थित है। अपने हक हिस्सा सम्पूर्ण की विरासत का नामान्तरकरण न्यायालय हाजा में विचाराधीन है। प्रकरण में यदि किसी को कोई उज्र एतराज अथवा आपति हो तो, प्रकरण में नियत आगामी पेशी दिनांक 18.102024 को न्यायालय हाजा में अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण का एकतरफा निस्तारण कर दिया जावेगा। सूचित रहे।

यह नोटिस आज दिनांक 30.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार सीकर (ग्रामीण), जिला सीकर

कार्यालय, नगर पालिका गोविन्दगढ जिला-अलवर(राज.)
क्रमांक / नपागो / लेखा / निविदा / 2024 / 912 दिनांक- 27.09.2024

ई-निविदा सूचना 05/2024-25

नगरपालिका गोविन्दगढजिला अलवर के सम्पूर्ण पालिका क्षेत्र में सफाई कार्य करना एवं कचरा संग्रहण कर स्वयं के परिवहन से निर्धारित स्थान पर डालने के कार्य का वार्षिक अनुबन्ध हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध फर्मो / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रॉक्यूरमेंट प्रकिया से (http://eproc.rajasthan.gov.in) ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

(अ) निविदित कार्यो का विवरण हेतु प्रपत्र

S. NO	Work Name	NIB Code	UBN Code
1	नगरपालिका गोविन्दगढ के सम्पूर्ण पालिका क्षेत्र में सफाई कार्य करना एवं कचरा संग्रहण कर स्वयं के परिवहन से निर्धारित स्थान पर डालने के वार्षिक अनुबन्ध हेतु	DLB2425A2925	DLB2425SLRC09132

नोट :-निविदा से संबंधित अधिक जानकारी के लिऐ https://sppp.rajasthan.gov.in Or https://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर अन्तिम दिनांक व समय से पूर्व देखा व पढा जा सकता है।
राज.संवाद / सी / 24 / 5889 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड़-कामां (डीग)
क्रमांक: 1200 दिनांक: 26.09.2024

निविदा सूचना सं. 04/2024-25 (अल्पकालीन निविदा)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड-कामां में विभिन्न कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 01 कार्य, जिनकी कुल लागत राशि रुपये 71.10 लाख है, के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं समय	दिनांक 27.09.2024 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 07.10.2024 को दोपहर 2:00 बजे तक
बेवसाईट पर तकनीकी निविदा खोलने की तारीख व स्थान	दिनांक 07.10.2024 को सायं 04.00 बजे खण्ड कार्यालय कामां

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org" पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण "http:///eproc.rajasthan.gov.in" एवं "sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "http://eproc.rajashtan.gov.in" पर ऑनलाईन सम्पादित की जावेगी।

NIB Code: PWD2425A1833

S.No.	UBN No.
1	PWD2425WSRC06601

अधिशाषी अभियन्ता
डीआईपीआर/सी/9306/24 सा.नि.वि. खण्ड-कामां

कार्यालय नगर पालिका खाटूश्यामजी, जिला- सीकर राजस्थान
क्रमांक : नपाखाटू./2024 / 369 दिनांक : 27.09.2024
आपत्ति आमंत्रण पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित के द्वारा राजस्व ग्राम खाटूश्यामजी के खसरा नम्बर 1103 योजना मुरली मनोहर कॉलोनी-2 में स्थित भूखण्ड का नामान्तरण एवं उपविभाजन हेतु पालिका में आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

क्र. सं.	नाम आवेदक व पता	पट्टा संख्या एवं प्रयोजन	क्षैत्रफल वर्गगज में
01	कालूराम सैनी एवं मांगीलाल पुत्र नरसीराम सैनी जाति माली निवासी चौमू, जिला जयपुर	पट्टा संख्या 801 दिनांक 12.03.2024 एवं आवासीय	302.50

अतः यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय दस्तावेजो के साथ इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर-भीतर कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे, निर्धारित समयावधि 07 दिवस पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नही होगी तथा कार्यालय द्वारा आवेदको के हक में नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका खाटूश्यामजी

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION KISHANGARH BAS
Email: eelalwar2.pwd@rajasthan.gov.in & pwdalwar2@rediffmail
No.: 997 Date: 26.09.2024

NIT No. 09/2024-25

Bids for 7 No. Works (Road/Building) are invited from interested bidder upto 6:00 Pm on 07.10.2024 Other particulars of the bid may be visited on teh procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and http://pwd.rajasthan.gov.in departmental website. The approximate value of the procurements is Rs. 114.21 lacs.
UBN No. 1. PWD2425WSOB06543 2. PWD2425WSOB06545
3. PWD2425WSOB06550 4. PWD2425WSOB06559 5. PWD2425WSOB06562

(Bhoori Singh)
DIPR/C/9274/24 Executive Engineer PWD Div K.G. Bas

उत्तर मध्य रेलवे
Letter No: DRM/C/AGRA/PAY & USE/POLICY/2024 दिनांक: 25.09.2024

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक-आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार है:-

श्रेणी: नार्मल पे एण्ड यूज | **नीलामी केटलॉग संख्या:** PNU-AGRA-24-3

एसेट्स डिटेल्स: अछनेरा जं0 रेलवे स्टेशन पर नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट का संचालन एवं रख-रखाव, मथुरा ज0. रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिगं एरिया में नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट (आई.आर.एफ. सी.) का संचालन एवं रख-रखाव, वृदावन रोड़. रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिगं एरिया में नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट (आई.आर.एफ. सी.) का संचालन एवं रख-रखाव, भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिगं एरिया में नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट (आई.आर.एफ.सी.) का संचालन एवं रख-रखाव, छाता रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिगं एरिया में नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट (आई.आर.एफ.सी.) का संचालन एवं रख-रखाव

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय: दिनांक: 14.10.2024 समय: 11:00

ई-नीलामी समाप्त होने की दिनांक एंव समय: दिनांक: 14.10.2024 समय: 12:10

नोट:- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के **E-Auction Module** के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उर्पयुक्त केटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। **1703/24 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

कार्यालय नगरपालिका बामनवास गंगापुर सिटी (राज0)
क्रमांक-न.पा.बा / 2024-25 / 1230 दिनांक- 27.09.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2024-25

नगरपालिका बामनवास द्वारा निम्न कार्य हेतु सामग्री क्रय / सेवाओं में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन दर संविदा हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in/ डाउनलोड एवं अपलोड व https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर डाउनलोड किये जा सकते हैं :-

S. No.	Particulars	Detail
1	Name of work	इण्डेन गैस गोदाम से रामजीलाल मीना के खेत की ओर नाला निर्माण कार्य
2	Estimate cost of Tender	32.12 Lacs.
3	Earnest money (EMD) 2%	64240
4	Cost of tender document (non-refundable) in favour of Executive Officer municipal Board Bamanwas.	1000.00
5	RISL Processing Fees (non – refundable) In Favor of MD RISL Payable at Jaipur.	500.00
6	Tender Publication on official web site https://sppp.rajasthan.gov.in/	27.09.2024
7	Tender download start date	27.09.2024
8	Bid Submission start date & Time	28.09.2024 at 10.00 am.
9	Bid Submission End date & Time	06.10.2024 at 06.00 pm.
10	Technical bid opening date & Time	07.10.2024 at 02.00 pm.

निविदादाताओं को निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस तथा अमानता राशि का डीडी / बैंकर्स चैक नगरपालिका बामनवास कार्यालय में भौतिक रूप से दिनांक 07.10.2024 को प्रात: 11.00 बजे तक आवश्यक रूप से जमा करवाना अनिवार्य होगा।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in/ तथा https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर रिजस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
UBN No. DLB2425WSOB09251 प्रशासक एवं अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 24 / 5915 नगरपालिका बामनवास

आज का दिन

आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 1 अक्टूबर, सन् 2024 ईस्वी। वार- मंगलवार, सूर्य-दक्षिणायण, ऋतु-वर्षा

सम्पादकीय

डॉक्टरों की मुश्किल, इच्छा मृत्यु पर गाइडलाइन का ड्राफ्ट

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से इच्छा मृत्यु को लेकर जारी किए गए गाइडलाइंस के मसौदे ने इस पर जारी बहस को तेज कर दिया है। इंडियन मेडिकल असोसिएशन ने भी यह कहते हुए आपत्ति की है कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाए जाने का फैसला करने की जिम्मेदारी डॉक्टरों पर डालना ठीक नहीं है। इससे उन पर दबाव बढ़ जाएगा। इच्छा मृत्यु के भावनात्मक, कानूनी और चिकित्सकीय पहलू इससे जुड़े किसी भी मामले में फैसला लेना कठिन बना देते हैं। लेकिन फिर भी फैसला तो करना ही होता है। सुप्रीम कोर्ट भी 2018 में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की कुछ शर्तों के साथ इजाजत दे चुका है। ऐसे में फैसले की प्रक्रिया जितनी स्पष्ट और परिभाषित होगी, फैसला लेना और उसे लागू करना उतना आसान होगा। सरकार की ओर से गाइडलाइंस जारी करने की पहल के पीछे यही सोच है।

गाइडलाइंस के मसौदे को देखें तो इसमें यह प्रयास स्पष्ट नजर आता है कि फैसला कई स्तरों पर परखे जाने के बाद ही अमल में आए। इसके मुताबिक, लाइफ सपोर्ट सिस्टम की जरूरत और उसकी उपयोगिता पर फैसला करने वाले प्राइमरी मेडिकल बोर्ड में प्राइमरी फिजीशन के अलावा कम से कम दो ऐसे एक्सपर्ट होंगे, जिनके पास कम से कम 5 साल का अनुभव होगा। इसके बाद सेकंडरी मेडिकल बोर्ड इस फैसले की समीक्षा करेगा, जिसमें सीएमओ द्वारा मनोनीत एक रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के अलावा दो एक्सपर्ट होंगे। इसके साथ ही पेशंट के परिवार की सहमति भी जरूरी होगी। केस की बारीकी के आधार पर निष्कर्ष तो आज भी डॉक्टरों का ही होता है, लेकिन वे पेशंट या परिजनों को पूरी स्थिति समझाते हैं और फिर पेशंट या परिवार फैसला करता है। फैसला करने से डॉक्टरों की हिचक समझी जा सकती है। दरअसल, यह प्रफेशन ही मरीजों को बचाने का है। डॉक्टर आखिरी पल तक मरीज को बचाने का प्रयास करते हैं, भले ही कुछ मामलों में यह कोशिश नाकाम हो जाए। ऐसे में इलाज के दौरान किसी खास बिंदु पर उन प्रयासों से हाथ खींचने का फैसला स्वाभाविक ही कई डॉक्टरों को अपने पेशे से अन्याय लग सकता है। मगर यहां कई पहलू हैं। सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि जीवन की गरिमा के साथ ही मौत की गरिमा का सवाल भी जुड़ा है। फिर संसाधनों के सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल की भी बात है। अगर किसी मरीज के ठीक होने की संभावना नहीं रह गई है तो उन मेडिकल संसाधनों का उपयोग ऐसे मरीज को बचाने में करना बेहतर है, जिसे बचाया जा सकता हो। बहरहाल, सरकार ने गाइडलाइंस के इस मसौदे पर 20 अक्टूबर तक सुझाव मांगे हैं। उम्मीद की जाए कि आने वाले तमाम सुझावों की रोशनी में बनी गाइडलाइन ज्यादा उपयुक्त और ज्यादा व्यावहारिक होगी।

विदेशी अखबारों से

श्रीलंका नेवी ने अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 17 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनकी नौकाएं जब्त कर लीं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया गया है कि इन 17 मछुआरों को मिला कर इस साल द्वीप राष्ट्र में ऐसी घटनाओं में पकड़े गए भारतीय नागरिकों की संख्या 413 हो गई है। श्रीलंकाई नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और रविवार को मन्नार के उत्तर में उनकी दो नौकाएं जब्त की गईं। नौसेना ने भारतीय मछुआरों को पकड़ने के लिए 'विशेष अभियान' चलाया। इसमें कहा गया है कि पकड़े गए 17 मछुआरों को तलाईमन्नार पियर ले जाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मन्नार मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि श्रीलंकाई नौसेना ने '2024 में अब तक द्वीप के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने वाली 55 भारतीय नौकाओं को और 413 भारतीय मछुआरों को पकड़ा है और उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकारियों को सौंप दिया है।' मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है। श्रीलंकाई जलक्षेत्र में कथित रूप से अवैध तरीके से प्रवेश करने के मामलों में श्रीलंकाई नौसेना के कर्मी पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करते हैं और उनकी नौकाओं को जब्त कर लेते हैं। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली पानी की एक संकरी पट्टी है, जो दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र है। दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अक्सर गिरफ्तार किया जाता है।

प्रेरक प्रसंग

पवित्र मन

जीवन में सच्चा सुख कैसे मिलता है, इस संबंध में एक लोक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत गांव के लोगों को प्रवचन देते थे और जीवन यापन के लिए घर-घर जाकर भिक्षा मांगते थे। एक दिन गांव की महिला ने संत के लिए खाना बनाया, जब संत उसके घर आए तो खाना देते हुए उसने पूछा कि महाराज जीवन में सच्चा सुख और आनंद कैसे मिलता है? संत ने कहा कि इसका जवाब मैं कल दूंगा। अगले दिन महिला ने संत के लिए स्वादिष्ट खीर बनाई। वह संत से सुख और आनंद के बारे उपदेश सुनना चाहती थी। संत आए और उन्होंने भिक्षा के लिए महिला को आवाज लगाई। महिला खीर लेकर बाहर आई। संत ने खीर लेने के लिए अपना कमंडल आगे बढ़ा दिया। महिला खीर डालने वाली थी, तभी उसकी नजर कमंडल के अंदर गंदगी पर पड़ी। उसने बोला महाराज आपका कमंडल तो गंदा है, इसमें कचरा है। संत ने कहा कि हां ये गंदा तो है, लेकिन आप खीर इसी में डाल दो। महिला ने कहा कि नहीं महाराज, ऐसे तो खीर खराब हो जाएगी। आप कमंडल दीजिए, मैं इसे धोकर साफ कर देती हूं। संत ने पूछा कि मतलब जब कमंडल साफ होगा, तभी आप इसमें खीर देंगी? महिला ने जवाब दिया - जी महाराज इसे साफ करने के बाद ही मैं इसमें खीर दूंगी। संत ने कहा कि ठीक इसी तरह जब तक हमारे मन में काम, क्रोध, लोभ, मोह, बुरे विचारों की गंदगी है, उसमें उपदेश कैसे डाल सकते हैं। अगर ऐसे मन में उपदेश डालेंगे तो अपना असर नहीं दिखा पाएंगे। इसीलिए उपदेश सुनने से पहले हमें हमारे मन को शांत और पवित्र करना चाहिए। तभी हम ज्ञान की बातें ग्रहण कर सकते हैं। पवित्र मन वाले ही सच्चा सुख और आनंद प्राप्त कर पाते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक पूरा

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया।

साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों को ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे का ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका-सा जवाब दे दिया था, यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है। गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट-पैंट में आ गए। भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने ना सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'।

स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी। भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू ना लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी,लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े-बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं। स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, मैं किसी को भी अपने दिमाग़ से गंदे पैर लेकर नहीं गुज़रने दूंगा। गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा। सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधिसंख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं।

स्वच्छता अभियान की सफलता ही कहेंगे कि देश के बारह करोड़ घरों में शौचालय बन चुके हैं। स्वच्छ भारत अभियान की एक दशक की यात्रा में न केवल शौचालय कवरेज में भारी वृद्धि हुई है, बल्कि खुले में शौच की कुप्रथा तकरीबन खत्म हो गयी है। स्वच्छता का मतलब सिर्फ सफाई ही नहीं, खाने-पीने की चीजें भी स्वच्छ होनी चाहिए। इस लिहाज से हर घर नल जल योजना को भी स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ सकते हैं। जिसके तहत पाइप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति की कवरेज दस सालों में 16 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। देश में धुएं के प्रदूषण से महिलाओं को रोजाना दो-चार होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के जरिए इस दिशा में स्वच्छ भारत अभियान को सफल कहा जा सकता है। इस योजना के तहत 11 करोड़ घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है। स्वच्छ भारत अभियान से स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ा बदलाव आया है। हाल ही में विश्व प्रसिद्ध पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के बाद आए भारत में बदलावों के शोध पर आधारित एक लेख छपा था। इससे पता चलता है कि स्वच्छ भारत अभियान गेम चेंजर बन गया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित आलेख कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि खुले में शौच की कुरीति खत्म होने के बाद और शौचालय क्रांति से देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। शोध पत्र में कहा गया है कि खुले में शौच की कुरीति के खत्म होने से हर वर्ष करीब 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु को रोकने में सफलता मिली है। शोध पत्र के अनुसार, वर्ष 2000 से 2015 की तुलना में वर्ष 2015 और 2020 के बीच शिशु मृत्यु दर एक तिहाई रह गई...इसके आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 और 2015 के बीच शिशु मृत्यु दर में जहां तीन प्रतिशत वार्षिक की गिरावट रही, वहीं बाद में यह गिरावट आठ से नौ प्रतिशत ज्यादा हुई। इसी तरह 2000 और 2015 के बीच की तुलना में बाद के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस लेख मुताबिक, साल 2014 में शिशु मृत्यु दर जहां 39 अंक थी, वह साल 2020 में घटकर 28 रह गई।

स्वच्छता अभियान की सफलता की कहानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट भी करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छता अभियान के चलते 2014 से 2019 के बीच डायरिया से होने वाली मौत के करीब तीन लाख मामले कम हुए, जो इसके पहले की अवधि में ज्यादा थे। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, खुले में शौच की कुरीति खत्म होने से हर परिवार के स्वास्थ्य पर होने वाले करीब 50 हजार रूपए सालाना के खर्च की बचत हुई है। इसके साथ ही भूजल की गुणवत्ता भी पहले की तुलना में बेहतर हुई है। शौचालय क्रांति के चलते अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं अपने घरों में ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं। क्योंकि अब उन्होंने शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ा। स्वच्छ भारत अभियान साल 2020 से संपूर्ण स्वच्छता अभियान में तब्दील किया जा चुका है। जिसके लिए एक लाख चालीस हजार करोड़ की रकम आवंटित की गई है। जाहिर है कि स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। लेकिन यह कहना अभी जल्दीबाजी होगी कि देश ने इस दिशा में सबकुछ हासिल कर ही लिया है। लेकिन अब भी देश के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां का मानस सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत नहीं हो पाया है।

भारत-चीन विवादः एलएसी पर आगे क्या होगा?

पूनम पाण्डे

ईस्टर्न लद्दाख में जब तनाव शुरू हुआ तो चीनी सैनिक चार जगहों पर आगे आ गए थे, जिसके बाद भारतीय सेना ने भी तैनाती बढ़ाई। दोनों देशों के बीच कोर कमांडर स्तर की बातचीत के बाद उन चार जगहों से दोनों देशों के सैनिक पीछे हुए। सबसे पहले पैंगोग एरिया यानी फिंगर एरिया और गलवान के पीपी-14 से डिसइंगेजमेंट हुआ। फिर गोगरा में पीपी-17 से सैनिक हटे और फिर हॉट स्प्रिंग एरिया में पीपी-14 से। पीपी यानी पेट्रोलिंग पॉइंट। यहां अभी बफर जोन बने हैं। उनमें न तो भारत के सैनिक पेट्रोलिंग कर रहे हैं, ना ही चीन के। यह डिसइंगेजमेंट 2022 के आखिर तक हो गया था।

भारत और चीन के बीच ईस्टर्न लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल (एलएसी) कंट्रोल पर करीब साढ़े चार साल से गतिरोध बना हुआ है। गलवान में हुई हिंसक झड़प के बाद भारतीय सेना ने जब कैलाश रेंज की चोटियों पर कब्जा किया तो चीन बातचीत की टेबल पर आया। चार पॉइंट्स पर डिसइंगेजमेंट हो गया है और दो पॉइंट्स पर डिसइंगेजमेंट को लेकर बातचीत चल रही है। इसके बारे में हाल ही में न्यूयॉर्क में भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने भी कहा कि डिसइंगेजमेंट (पीछे हटने की) का 75 प्रतिशत मामला हल हो गया है। ईस्टर्न लद्दाख में जब तनाव शुरू हुआ तो चीनी सैनिक चार जगहों पर आगे आ गए थे, जिसके बाद भारतीय सेना ने भी तैनाती बढ़ाई। दोनों देशों के बीच कोर कमांडर स्तर की बातचीत के बाद उन चार जगहों से दोनों देशों के सैनिक पीछे हुए। सबसे पहले पैंगोग एरिया यानी फिंगर एरिया और गलवान के पीपी-14 से डिसइंगेजमेंट हुआ। फिर गोगरा में पीपी-17 से सैनिक हटे और फिर हॉट स्प्रिंग एरिया में पीपी-14 से। पीपी यानी पेट्रोलिंग पॉइंट। यहां अभी बफर जोन बने हैं। उनमें न तो भारत के सैनिक पेट्रोलिंग कर रहे हैं, ना ही चीन के। यह डिसइंगेजमेंट 2022 के आखिर तक हो गया था। लेकिन अभी भी डेमचॉक और डेपसांग के मसले हल करने बाकी हैं।

डेपसांग में जिन जगहों पर भारतीय सैनिक पेट्रोलिंग के लिए जाते थे, उनमें से कई जगहों पर चीनी सैनिक आकर बैठ गए, जिस वजह से वहां भारतीय सेना की पेट्रोलिंग रुक गई। इसके जवाब में भारतीय सेना ने भी उन जगहों पर तैनाती कर दी, जिससे कुछ पॉइंट्स पर चीन के सैनिकों की पेट्रोलिंग ब्लॉक हुई है। यहां बातचीत इस पर चल रही है कि डिसइंगेजमेंट होने के बाद पेट्रोलिंग होगी या नहीं। मिलिट्री सूत्रों का कहना है कि भारत चाहता है, जब यहां डिसइंगेजमेंट हो जाए उसके बाद पहले की तरह ही पेट्रोलिंग हो। दोनों देश अपने अपने क्लेम के हिसाब से पेट्रोलिंग करें, जैसे पहले करते थे। लेकिन चीन का कहना है कि डिसइंगेजमेंट हो और उसके बाद यहां पर नो पेट्रोलिंग जोन बने यानी कोई भी यहां पर पेट्रोलिंग ना करे।

डेमचॉक में मसला यह है कि यहां चीन ने उन जगहों पर नए टेंट लगाए, जहां पहले उसके टेंट नहीं थे। चीन कहता है कि ये उसके चरवाहों के टेंट हैं, लेकिन भारत का कहना है कि ये चीनी सैनिक हैं जो सिविल ड्रेस में वहां हैं। अप्रैल 2020 से पहले जिन एरिया में टेंट नहीं थे, ये उन एरिया में लगे हैं। उसके जवाब में भारतीय सेना ने भी वहां अपने टेंट लगाए और अब लगभग दोनों आमने-सामने हैं। यहां इस पर बातचीत चल रही है कि दोनों पहले वाली स्थिति में पीछे चले जाएं और नए टेंट को हटा लें। गलवान हिंसा के बाद कुछ वक्त तक भारत और चीन की सेना के बीच एलएसी पर होने वाली सेरिमोनियल बॉर्डर पर्सनेल मीटिंग (बीपीएम) रुक गई थी, लेकिन अब सेरिमोनियल मीटिंग भी हो रही हैं। दोनों देशों के बीच कोई भी मुद्दा हो तो उस पर बात करने के लिए कोई भी लोकल कमांडर बीपीएम बुला सकते हैं। इसके अलावा साल में चार बार सेरिमोनियल बीपीएम होती हैं। दो बार इंडियन साइड और दो बार चीन की तरफ। 1 मई (मजदूर दिवस) और 1 अक्टबूर (चीन का नैशनल डे) को चीन की आर्मी इंडियन आर्मी को होस्ट करती है। 15 अगस्त और 26 जनवरी को इंडियन आर्मी होस्ट बनती है और चीनी आर्मी को इनवाइट करती है। पहले इन सेरिमोनियल बीपीएम में गिफ्ट एक्सचेंज होने के साथ ही लंच और रंगारंग कार्यक्रम होते थे लेकिन अब सिर्फ गिफ्ट एक्सचेंज हो रहा है। चीन चाहता है कि सेरिमोनियल मीटिंग को पहले की तरह ही किया जाए यानी रंगारंग कार्यक्रम भी हों। लेकिन भारत की तरफ से कहा गया है कि जब सब नॉर्मल नहीं है तो फिर रंगारंग कार्यक्रम कैसे हो सकते हैं। पिछले कुछ वक्त में चीन की तरफ से जिस तरह के बयान आ रहे हैं, उससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि चीन का रुख नरम हो रहा है। लेकिन मिलिट्री सर्किल में यह साफ है कि ग्राउंड पर चीन की तरफ से रुख में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है, न तो एक्स्ट्रा फ्रेंडली, न ही एक्स्ट्रा अग्रेसिव।

अभी दोनों देशों के बीच जो बातचीत चल रही है, वह डिसइंगेजमेंट को लेकर है। दोनों तरफ से सैनिक पीछे भी चले जाएंगे, तब भी अप्रैल 2020 से पहले वाली स्थिति आने में लंबा वक्त लगेगा क्योंकि डिसइंगेजमेंट सिर्फ शुरुआत है और इसके बाद डिएस्केलेशन और फिर डी-इंडक्शन पर बात होगी। दोनों देशों के सैनिक एकदम आमने-सामने से हटकर पीछे जाते हैं तो इसे डिसइंगेजमेंट कहते हैं। ऐसी स्थिति में अचानक झड़प की नौबत नहीं आती। इसी के बाद की प्रक्रिया है डीएस्केलेशन। जिसका मतलब है कि दोनों देशों के सैनिक और सैन्य साजोसामान जो इस तरह तैनात किया गया है कि जरूरत पड़ने पर कभी भी एक दूसरे पर हमला हो सकता है, उसे सामान्य स्थिति में लाना।

डिसइंगेजमेंट और डीएस्केलेशन के बाद की प्रकिया होगी डी-इंडक्शन। इसका मतलब है कि जो भारी तादाद में सैनिक और सैन्य साजोसामान वहां तैनात है, उसे वापस अपनी पुरानी पोजिशन में भेजना। अभी वहां दोनों तरफ से 50-50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात हैं। एलएसी पर आगे क्या होगा और क्या उम्मीद की जा सकती है? सेना के स्तर पर यह तय हो सकता है कि ग्राउंड में सैनिक कहां पर रहेंगे। लेकिन दोनों देशों की सेना को वापस पुरानी स्थिति में जाना है तो इसके लिए राजनीतिक स्तर पर ही निर्देश आएगा। इसके लिए बातचीत चल भी रही है।

हास्य-व्यंग्य

तीन फुकरे उर्फ पाकिस्तानी भिखारी...

आलोक पुराणिक

तीन फुकरे(फुकरे मतलब कंगाल टाइप) फिल्म का प्रमोशन चल रहा है, और साथ में फोटू आ रही है टीवी पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री, पाकिस्तानी विदेशमंत्री और पाकिस्तानी विदेश सचिव की, संयोग भी कैसे कैसे हो जाते हैं। पाकिस्तानी हुक्मरान इधर दुनिया भर के भीख टूर पर निकले हैं।

अरब देशों ने पाकिस्तान सरकार से गुहार लगायी है कि अरब देशों में नब्बे प्रतिशत भिखारी पाकिस्तान से हैं। पाकिस्तानी भिखारी इंटरनेशनल हो गये हैं, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भीख मांगने जाते हैं। पाकिस्तानी भिखारी यह कहते हैं कि हमारे हुक्मरान अमेरिका चीन जाते हैं भीख मांगने, हम इधर अरब देशों में आ जाते हैं, गलत क्या है। पाकिस्तान का जो हाल हो गया है, उसमें सिर्फ दो किस्म के लोग ही पाकिस्तान से एक्सपोर्ट हो रहे हैं-एक तो आतंकी और दूसरे भिखारी। दुनिया के कई देशों को शुक्रगुजार होना चाहिए कि पाकिस्तान से सिर्फ भिखारी आ रहे हैं,वरना आने को तो आतंकी भी आ सकते हैं।

मुझे टेंशन है कि भारत सरकार के प्रतिनिधि अगर शिकायत करें पाक सरकार के प्रतिनिधि से कि आपके यहां से आतंकी आ रहे हैं, तो पाकिस्तान वाले कहीं यह प्रस्ताव ना दे दें, तो आप इज्जत से हमारे यहां के भिखारियों को इंडिया आकर भीख मांगने दीजिये, आतंकी नहीं भेजेंगे। कोई ना कोई तो आयेगा ही, आतंकी नहीं चाहिए तो भिखारी लो। एक पढ़े लिखे भिखारी ने कहा कि अरब का आतंकी बिन लादेन बहुत लंबे वक्त तक पाकिस्तान में आराम से रहा, पाकिस्तानी हुक्मरान तो कुछ ना बोले, उसके खाने पीने का सही इंतजाम रखा। अब कुछ पाकिस्तानी भिखारी अगर अरब देशों में आकर रह रहे हैं, तो हल्ला काहे का। या तो पाकिस्तानी भिखारी लो या पाकिस्तानी आतंकी।

एक पाकिस्तानी भिखारी तो हवाई जहाज में खड़े होकर भीख मांगने लग गया। इससे साफ होता है कि विश्व में सर्वाधिक उन्नत जीवन स्तर पाकिस्तानी भिखारियों का है, जो हवाई जहाज में टहलते हुए पाये जाते हैं। 2 अक्तूबर को हमारे देश की कई लेडीज उस दिन के तौर पर जानती हैं, जब खादी सिल्क की साड़ियों पर तीस परसेंट का डिस्काऊंट मिलना शुरु होता है। महात्मा गांधी अपने सत्य के लिए नहीं अब डिस्काऊंट के लिए जाने जाने लगे हैं, वक्त बहुत बदल गया है। खादी की दुकानों पर जेनरेशन चेंज साफ दिखता है, अब जो पीढ़ी खादी की दुकानों पर बतौर मालिक बैठी है, वह जीन्स पहनकर बैठती है बिंदास, काहे को चक्कर में पड़ना खादी पहनने के। महात्माजी ने कहा था कि खादी बहुत अच्छा कपड़ा है, तो यह बात औरों को बताकर बेच रहे हैं पर खुद जीन्स पहन रहे हैं। जीन्स पहने बैठे नौजवान के पापा खादी की शर्म रखते थे, जैकेट कुरता वुरता खादी का डाल लेते थे, जैसे भी थे आधे अधूरे खादीवादी थे।

टी-20 अंदाज में खेले भारतीय प्लेयर्स बांग्लादेश पर किया काउंटर अटैक

बढ़त लेने में सफल रहा भारत

भारत ने सोमवार को बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर ढेर की और आक्रमण रुख अपनाकर तेजी से रन बनाना शुरू किया। भारत ने अपनी पहली पारी 285/9 के स्कोर पर घोषित की। भारत ने इस तरह बांग्लादेश से 52 रनों की बढ़त हासिल की। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शानदार गेंदबाजी की जिससे भारत ने दूसरी पारी में बांग्लादेश को दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 26 रन पर रोका। बांग्लादेश की टीम फिलहाल 26 रन पीछे चल रही है। स्टंप के समय शादमान इस्लाम सात रन और मोमिनुल हक खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे। भारत और बांग्लादेश के बीच अब एक दिन का खेल शेष बचा है और भारतीय टीम की नजरें इस मैच का नतीजा निकालने पर टिकी हुई है।

दूसरे और तीसरे दिन का खेल बारिश में धुलने के बाद लग रहा था कि यह मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है, लेकिन अब यह मुकाबला रोमांचक हो गया है। भारत की कोशिश पांचवें दिन बांग्लादेश की दूसरी पारी जल्द से जल्द समेटने की होगी, जबकि मेहमान टीम हर हाल में भारत को क्लीन स्वीप से रोकने की कोशिश करेगी। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन कुल 437 रन बने, जबकि इस दिन 18 विकेट भी गिरे। चौथे दिन दोनों टीमों ने मिलकर कुल 85 ओवर खेले। भारत में यह टेस्ट मैच में किसी दिन बना दूसरा सर्वाधिक स्कोर है। इससे पहले 2009 में श्रीलंका और भारत के बीच खेले गए टेस्ट मैच के दूसरे दिन 470 रन बने थे। पांच साल में यह पहली बार हुआ है जब भारत में खेले गए किसी टेस्ट मैच के एक दिन 400 से अधिक रन बने हैं। इस मुकाबले से पहले 2019 में भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए टेस्ट मैच के दूसरे दिन कुल 407 रन बने थे। पहली पारी घोषित करने के बाद भारत स्टंप तक बांग्लादेश के दो विकेट गिराने में सफल रहा। यह दोनों विकेट ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने झटके। अश्विन ने पहले जाकिर हसन को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी, भारतीय टीम मजबूत स्थिति में

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 टीम और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के बीच पहला अनऑफिशियल टेस्ट चेन्नई में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में 293 रन पर सिमट गई। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने बिना कोई विकेट खोए 103 रन बना लिए हैं।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम की शुरुआत औसत रही। सलामी बल्लेबाज रिले किंग्सेल और स्टीवन होगन ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। 11वें ओवर में होगन आउट हुए।

उन्होंने 29 गेंदों पर 15 रन बनाए। 96 के स्कोर पर टीम का दूसरा विकेट गिरा। रिले किंग्सेल ने 77 गेंदों पर 53 रन बनाए। इसके बाद ओलिवर पीक ने 29 रन, जैक कर्टन ने 12 रन, कप्तान साइमन बडगे ने 20 रन, एडिसन शेरिफ ने 1 रन, क्रिश्चियन होवे ने 48 रन, ऐडन ओ कॉनर ने 61 रन, हेडन शिलर ने 18 रन और थॉमस ब्राउन ने 21 रन बनाए।

कोहली ने सबसे तेजी से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए 27000 रन

कानपुर। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली है। लगातार नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहे पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27000 रन पूरे कर लिए हैं। कोहली इसके साथ ही सबसे तेजी से यह उपलब्धि अपने नाम करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं और उन्होंने इस मामले में हमवतन दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है।

दिग्गज बल्लेबाजों को कोहली ने पछाड़ा

कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी के दौरान यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने 594 पारियों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27000 रन पूरे कर लिए हैं। दूसरी ओर, सचिन ने 623 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। तीसरे स्थान पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा हैं जिन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में 648 पारियां लग गई थी। कोहली की शानदार पारी का अंत शाकिब अल हसन ने किया और वह अर्धशतक लगाने से चूक गए। कोहली ने 35 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 47 रन बनाए।

कोहली ने कानपुर में बनाया रिकॉर्ड

बारिश के कारण दो दिन का खेल धुलने के बाद सोमवार को आखिरकार मैच दोबारा शुरू हुआ। भारत ने बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर समेट दी। जवाब में भारत ने तेज शुरुआत की और 18 गेंदों पर 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया था। हालांकि, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के आउट होने के बाद भारत की पारी लड़खड़ाई, लेकिन कोहली ने केएल राहुल के साथ मिलकर भारतीय पारी को संभाला और बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे। कोहली 27000 रन पूरे करने से 35 रन दूर थे, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ उनका बल्ला चला और वह अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज करने में सफल रहे।

घर में कोहली ने पूरे किए थे 12 हजार रन

इससे पहले, चेन्नई में खेले गए मुकाबले में 35 वर्षीय बल्लेबाज कोहली ने घर में 12000 रन पूरे किए थे। कोहली यह उपलब्धि हासिल करने वाले सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए थे। कोहली ने 219वें मैच में यह रिकॉर्ड बनाया था। कोहली ने घर में 58.84 के औसत से 12000 रन पूरे किए हैं जिसमें 38 शतक और 59 अर्धशतक शामिल हैं।

ईरानी कप: शेष भारत का विजय रथ रोकने के इरादे से उतरेगी रणजी चैंपियन मुंबई

लखनऊ। रणजी चैंपियन मुंबई और शेष भारत की टीमें मंगलवार से ईरानी कप के लिए अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में जोर-आजमाइश करेंगी। यह मैच सुबह साढ़े नौ बजे से शुरू होगा।

इस अहम मुकाबले से पहले मुंबई को करारा झटका लगा है। उसके प्रमुख आलराउंडर मुशीर खान एक सड़क हादसे में घायल होने के कारण इस मैच से बाहर हो गए हैं। मुशीर ने इस महीने की शुरुआत में दलीप ट्रॉफी में भारत बी की ओर से भारत ए के खिलाफ 181 रनों की शानदार पारी खेली थी। पिछले साल इस टूर्नामेंट में शेष भारत ने सौराष्ट्र को 175 रनों से हराया था। इकाना स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मुफीद मानी जाती है। ऐसे में यहां एक अच्छा मुकाबला देखने को मिल सकता है। अगर आंकड़ों पर ध्यान दें तो शेष भारत की टीम का पलड़ा भारी है। रणजी चैंपियन मुंबई ने जहां अब तक 14 बार ईरानी कप पर कब्जा जमाया है, वहीं शेष भारत ने सबसे अधिक 30 बार खिताब जीतने में कामयाबी पाई है। दोनों टीमों में एक से बढ़कर एक धुरंधर हैं, ऐसे में यहां रोचक मुकाबले की उम्मीद है।

300वां टेस्ट विकेट लेने के बाद रविंद्र जडेजा का बयान, कहा- यह बेहद खास उपलब्धि

कानपुर। टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट की उपलब्धि हासिल करने से खुश भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा कि यह पल हमेशा उनके साथ रहेगा। बांग्लादेश के खिलाफ यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जडेजा इस प्रतिष्ठित आंकड़े तक पहुंचने वाले सातवें भारतीय गेंदबाज बनें। इस सूची में उनसे पहले अनिल कुंबले (619), आर अश्विन (524), कपिल देव (434), हरभजन सिंह (417), इशांत शर्मा (311) और जहीर खान (311) के नाम शामिल हैं। जडेजा ने चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद आधिकारिक प्रसारक से कहा, जब आप देश के लिए कुछ हासिल करते हैं तो यह काफी खास होता है। मैं 10 साल से टेस्ट खेल रहा हूं और अब इस उपलब्धि तक पहुंचा हूं। मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और मुझे खुद पर गर्व है। मैं इसे लेकर खुश और अच्छा महसूस कर रहा हूं। जडेजा इस उपलब्धि को हासिल करने को लेकर और अधिक उत्साहित है क्योंकि उन्हें करियर के शुरुआती दिनों में सफेद गेंद प्रारूप(सीमित ओवर प्रारूप)का खिलाड़ी माना जाता था। उन्होंने कहा, यह खास है और हमेशा मेरे साथ रहेगा। एक युवा खिलाड़ी के रूप में मैंने सफेद गेंद के क्रिकेट से शुरुआत की और हर कोई मुझसे कहता था कि मैं सफेद गेंद वाला क्रिकेटर हूं। मैंने हालांकि लाल गेंद से कड़ी मेहनत की और आखिरकार सारी मेहनत सफल रही। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भी जडेजा की तारीफ करते हुए उन्हें गेंद का जादूगर करार दिया। उन्होंने दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, जडेजा एक संपूर्ण पैकेज हैं और उसके पास जादुई हाथ हैं। 300 विकेट क्लब में शामिल होना उनके लिए विशेष है।

शीर्ष वरीय विष्णु, वैदेही 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत

नई दिल्ली। शीर्ष वरीय विष्णु वर्धन और वैदेही चौधरी ने सोमवार को डीएलटीए परिसर में 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के पहले दिन जीत दर्ज की।

एशियाई खेलों में कई पदक जीत चुके पूर्व डेविस कप खिलाड़ी विष्णु ने पुरुष एकल के पहले दौर में हरियाणा के उदित कंबोज को 7-5, 6-1 से हराया। महिला एकल में 2022 की राष्ट्रीय चैंपियन वैदेही ने शैली ठक्कर के खिलाफ सीधे सेट में 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की जबकि कर्नाटक की सोहा सादिक ने दिल्ली की कशिश भाटिया को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया। तमिलनाडु के अभिनव संजीव ने उलटफेर करते हुए तीसरे वरीय इशाक इकबाल को 6-1, 7-6 से हराया जबकि छठे वरीय रणजीत वीएम ने ओगेस प्रकाश को 6-0, 6-2 से शिकस्त दी।

अल्कारेज ने खाचानोव को हराया

लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में पहुंचे, अब होगी मेदवेदेव से भिड़ंत

बीजिंग। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने सोमवार को यहां कारेन खाचानोव के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ लगातार दूसरे साल चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के 21 साल के अल्कारेज ने दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी खाचानोव को 7-5, 6-2 से हराया। अल्कारेज ने 12 में से चार ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया और 96 मिनट में जीत दर्ज की।

अल्कारेज की यह सत्र की 46वीं जीत है जिसकी बदौलत यह फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन एटीपी 'लाइव रैंकिंग' में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। सेमीफाइनल में अल्कारेज की भिड़ंत दानिल मेदवेदेव से होगी। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को सीधे सेट में 6-2, 6-4 से हराया। इससे पहले आंद्रे रूबलेव ने रविवार को बारिश से प्रभावित मैच में सोमवार को एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 6-4, 7-5 से हराया। वह क्वार्टर फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी बू युनचाओकेट से भिड़ेंगे।

मुंबई की सबसे पुरानी फुटबॉल लीग की हुई वापसी, 1902 में हुई थी शुरुआत

मुंबई। यह सुन कर अजीब लगता है कि मुंबई जैसे विकसित शहर में मैदान की कमी के कारण कोई फुटबॉल मैच नहीं हो सका। हालांकि, अगर आप मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के संरक्षकों से पूछेंगे कि सबसे पुरानी हारवुड लीग कोरोना के बाद से वापसी क्यों नहीं हो सकी तो उनका जवाब आपको सोंचने पर मजबूर कर देगा। मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन के ट्रस्टी उदयन बनर्जी ने बताया कि जब 1983 में सेंट जेवियर्स मैदान का गठन हुआ था, तब एमएफए को परेल में सेंट जेवियर्स मैदान का केयरटेकर बनाया गया था। हालांकि, इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन महामारी (कोविड-19) के दौरान मैदान का इस्तेमाल परीक्षण केंद्र और टीकाकरण केंद्र के रूप में किया जाने लगा। उसके बाद इसमें दो स्टॉर्म वाटर ड्रेन होल्डिंग तालाब बना दिए गए और मैदान को खराब हालत में छोड़ दिया गया। जब तक इसकी मरम्मत नहीं हो जाती तब तक इसका इस्तेमाल फुटबॉल के लिए नहीं किया जा सकता। 16 हजार वर्ग मीटर का यह ग्राउंड आज की स्थिति में अव्यवस्थित पड़ा है। बाउंड्री वॉल का एक हिस्सा ढह चुका है, गोल पोस्ट गिर चुके हैं जिसकी वजह से मलबा चारों तरफ फैला पड़ा है।

बनर्जी ने कहा- बीएमसी ने हमें इसकी मरम्मत करने के लिए कहा था, लेकिन हमने इसे नष्ट नहीं किया, तो हम क्यों करें? इसमें कम से कम 25 लाख रुपए खर्च होंगे। हारवुड लीग की किस्मत में बदलाव खेल मैदान सलाहकार और दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी नदीम मेमन के रूप में आया। उन्होंने ही इसे पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। नदीम ने कहा-मैंने इस सीजन के खेलों को प्रायोजित करने और उनकी मदद करने का फैसला किया।

अर्थ ज्योति

सोना 78,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर स्थिर, चांदी 2,000 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 78,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही।

लगातार नौ दिनों की तेजी के बाद शुक्रवार को सोना 78,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। हालांकि, स्थानीय बाजार में तीन दिन से जारी तेजी पर सोमवार को विराम लगाते हुए चांदी की कीमत 2,000 रुपए की गिरावट के साथ 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 94,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध का भाव 42 रुपए अथवा 0.06 प्रतिशत बढ़कर 74,900 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। एक्सचेंज में दिसंबर डिलीवरी चांदी का भाव 586 रुपए यानी 0.64 प्रतिशत घटकर 90,812 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया। एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स सोना 0.06 प्रतिशत बढ़कर 2,669.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

सोलेक्स एनर्जी 8,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, 24,000 से अधिक लोगों को देगी नौकरी

नई दिल्ली। सौर मॉड्यूल बनाने वाली घरेलू कंपनी सोलेक्स एनर्जी ने विनिर्माण क्षमता बढ़ाने और सौर सेल विनिर्माण के क्षेत्र में कदम रखने के लिए वर्ष 2030 तक 8,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की सोमवार को घोषणा की। साथ ही कंपनी 24,000 से अधिक लोगों को रोजगार भी देगी। गुजरात की कंपनी सोलेक्स एनर्जी ने अपनी विस्तार योजना के तहत 2030 तक मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता मौजूदा 1.5 गीगावाट से बढ़ाकर 15 गीगावाट करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ कंपनी ने दो गीगावाट की शुरूआती क्षमता के साथ सौर सेल बनाने का कारखाना लगाने की भी योजना बनायी है। सोलेक्स एनर्जी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक चेतन शाह ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम 'विजन 2030' के तहत मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता बढ़ाकर 15 गीगावाट करने और सौर सेल बनाने के क्षेत्र में कदम रखने के लिए 2030 तक 8,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे।

पुराने जीएसटी बकाया पर नहीं देना होगा ब्याज और जुर्माना, इन करदाताओं को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। सरकार की ओर से जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) ने करदाताओं को बड़ी राहत दी गई है। ऐसे करदाता जिनको वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए जीएसटी डिमांड नोटिस मिला था, अब वे अपने बकाया का भुगतान बिना ब्याज और जुर्माने के कर सकते हैं। टैक्स-डिमांड नोटिस गैर-धोखाधड़ी श्रेणी का होना चाहिए। सरकार द्वारा इसके लिए नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया। यह स्कीम एक नवंबर से जीएसटी करदाताओं के लिए लागू हो जाएगी। आम बजट-2024 में सरकार की ओर से इस जीएसटी छूट स्कीम का ऐलान किया गया था।

इसे सरकार द्वारा टैक्स विवाद कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सरकार द्वारा यह राहत जीएसटी एक्ट की नई धारा 128ए के तहत दी गई है, जो जीएसटी अथॉरिटीज को करदाताओं पर अनुपालन के दबाव को कम करने के लिए छूट पेश करने की अनुमति देती है। जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक के निर्णय के मुताबिक, इसका उद्देश्य उन विवादों को हल करना है, जहां टैक्स डिमांड नोटिस जानबूझकर चोरी के बजाय कानून या व्याख्याओं की गलतफहमी के कारण पैदा हुई कर देनदारियों के कारण दिया गया है।

स्वयंभू मनु और शतरूपा को कैसे मिला दशरथ और कौशल्या का जन्म ?

रामायण और रामचरितमानस, हिंदू धर्म के प्रमुख धार्मिक ग्रंथों में से एक हैं। इसका एक-एक पात्र हमें कुछ-न-कुछ शिक्षा जरूर देता है। इन्हीं में से एक राजा दशरथ और माता कौशल्या भी हैं, जो रामायण के मुख्य पात्र रहे हैं। इन्हें भगवान राम को अपने पुत्र के रूप में पाने का सौभाग्य वरदान के कारण प्राप्त हुआ था। ऐसे में चलिए जानते हैं कि राजा दशरथ एवं माता कौशल्या पूर्व जन्म में कौन थे।

मिलती है यह कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, स्वयंभू मनु और शतरूपा धरती के पहले पुरुष और स्त्री थे। उन दोनों ने अपना राज्य अपने पुत्र को सौंप दिया और नैमिषारण्य जाकर भगवान वासुदेव का ध्यान करने लगे। दोनों ने भगवान विष्णु को अपने पुत्र रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए और वरदान मांगने को कहा। तब स्वयंभू मनु और शतरूपा ने भगवान विष्णु से कहा कि आप हमारे पुत्र बनें हमारी यही इच्छा है।

वरदान से प्राप्त हुआ ऐसा सौभाग्य

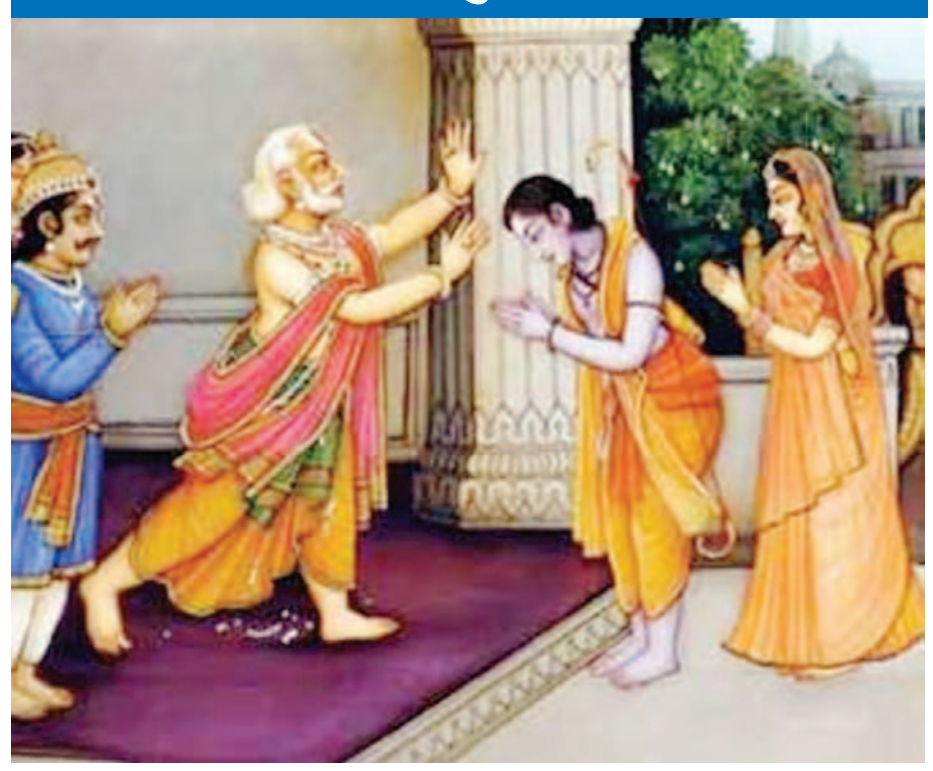

भगवान विष्णु ने दिया वरदान

दोनों की इच्छा की पूर्ति करते हुए प्रभु श्री हरि ने वरदान देते हुए कहा कि त्रेतायुग में आप दोनों को अयोध्या के महाराजा और महारानी के रूप में जन्म मिलेगा और आपके पुत्र के रूप में मेरा सातवां अवतार अर्थात श्रीराम का जन्म होगा। इसी वरदान के फलस्वरूप अगले जन्म में स्वयंभू मनु राजा दशरथ और उनकी पत्नी शतरूपा माता कौशल्या बनी। वहीं प्रभु श्रीराम ने उन दोनों के पुत्र के रूप में जन्म लिया।

कैकेयी ने भी प्रकट की इच्छा

ऐसा भी कहा जाता है कि राजा दशरथ ही कृष्ण अवतार के समय वासुदेव और देवी कौशल्या, देवकी बनी थीं। कैकेयी ने भगवान राम से कहा था कि मैं तुम्हें अगले जन्म में पुत्र के रूप में प्राप्त करना चाहती हूं, इसलिए कैकेयी को अगला जन्म यशोदा के रूप में मिला और उन्होंने भी भगवान श्रीकृष्ण की माता बनने का सौभाग्य प्राप्त किया।

प्रभु श्रीराम भगवान शंकर की प्रशंसा किए बिना रह न पाये

भगवान शंकर ने अपने वैराग्य के माध्यम से समस्त संसार को बताया, कि कैसे अपने अतिप्रिय के बिछुडने के पश्चात स्वयं को संभाला जाता है। अगर हम भी संसार के जीव की भाँति हों, तो हम भी किसी मदिरा के नशे में धुत होकर यहाँ कहीं पड़े रहते। लेकिन हम अपने जीवन चरित्र द्वारा आपको समझाना चाह रहे हैं, कि जीवन में बड़े से बड़ा स्नेही भी क्यों न दूर हो जाये, तुम डगमगाना मत। रोना धोना भी मत। बस प्रभु के श्रीचरणों में स्वयं को समर्पित कर देना। आठों पहर उनके गुनगाण सुनना। फिर देखना आपका प्रत्येक पल पूजा हो जायेगा। क्योंकि इस मनुष्य जीवन की एक ही उपलब्धि है, कि हर श्वाँस के साथ हरि का सुमिरन किया जाये। भगवान शंकर को प्रभु श्रीराम जी ने इतना कठिन व्रत करते देखा, तो वे उनकी त्याग तपस्या व महान व्रत की प्रशंसा किये बिना रह न पाये। श्रीराम जी को यह भक्ति भाव ही तो प्रसन्न करता है। इसी कारण भगवान श्रीराम भोले नाथ के समक्ष प्रगट हो गये-

'प्रगटे रामु कृतग्य कृपाला।
रुप सील निधि तेज बिसाला।
बहु प्रकार संकरहि सराहा।
तुम्ह बिनु अस ब्रतु को निरबाहा।।'

इसके पश्चात गोस्वामी तुलसीदास जी ने जो लिखा, उस पर थोड़ा चिंतन बनता है। गोस्वामी जी कहते हैं-

'बहुबिधि राम सिवहि समुझावा।
पारबती कर जन्मु सुनावा।।
अति पुनीत गितिजा कै करनी।
बिस्तर सहित कृपानिधि बरनी।।'

अर्थात प्रभु श्रीराम जी ने भोले नाथ को बहुत प्रकार से समझाया। और श्रीपार्वती जी के पावन जन्म व उनकी महान करनी सुनाई। प्रश्न उठता है, कि भगवान शंकर आखिर नासमझ थे क्या, जो प्रभु श्रीराम जी ने उन्हें समझाया? अथवा वे किसी उचित दिशा में नहीं बह रहे थे? यहाँ प्रभु श्रीराम जी की प्रभुता का दर्शन होता है। यहाँ वे भगवान शंकर को नहीं, अपितु आम जन मानस को संदेश दे रहे हैं। संदेश यह, कि संसार में आये हैं, तो निश्चित ही हमारा सर्वोपरि कार्य ईश्वर की आराधना ही है। संसार के प्रति वैराग्य होना, हमें भगवान के प्रति दृढ़ भाव देता है। किंतु संसारिक जीव के जीवन में केवल वैराग्य की ही महानता नहीं है। उसमें राग भाव का होना भी अति आवश्यक है। उसमें रुप, रस एवं रंग के प्रति आकर्षण ही समाप्त हो जायेगा, तो इस सृष्टि का विस्तार कैसे होगा? सृष्टि तो मानों रुक ही जायेगी। इसलिए सर्वप्रथम वैराग्य में दक्ष होने के पश्चात, हमें राग रंग में भी उतरना होगा।

इसीलिए श्रीराम जी श्रीपार्वती जी के जन्म की गाथा व उनकी महान करनी सुनाते हैं। यहाँ भी बड़ी विचित्र बात है, कि पहली बात तो भगवान शंकर चोटी के बैरागी। उस पर उन्हें अपनी दिवंगत पत्नी की यादों ने घेरा हुआ है। मन में जब ऐसे भावों की तरंगें चलायेमान हों, तो ऐसे में क्या भगवान शंकर को किसी अनजान स्त्री की बातों में रुचि उत्पन्न होगी? श्रीपार्वती जी महान व श्रेष्ठ होंगी तो होंगी, इससे उन्हें भला क्या वास्ता? किंतु श्रीराम जी हैं, कि उन्हें श्रीपार्वती जी की ही गाथायें सुनाये जा रहे हैं। मानों वे प्रयास कर रहे हों, कि हे भोलेनाथ! अब आप अपने जीवन चरित्र को केवल यहीं तक ही रोक कर न रखें। अपितु आगे भी संसार के कल्याण के लिए अपनी दिव्य लीलायें जीवंत रखें। हमारे भोलेनाथ को भला क्या समझ आना था। वे जैसे थे, वैसे ही रहे। उनके मन में कोई राग उत्पन्न नहीं हुआ। श्रीराम जी जब उन्हें ऐसे अनास्क भाव में देखा, तो उन्हें कहना ही पड़ा-

'अब विनती मम सुनहु सिव जौं मो पर निज नेहु।
जाइ बिबाहहु सैलजहि यह मोहि मागें देहु।।'

अर्थात हे शिवजी! यदि मुझ पर आपका स्नेह है, तो अब आप मेरी विनती सुनिए। मुझे यह मांगें दीजिए, कि आप जाकर पार्वती जी के साथ विवाह कर लें।

गीता के इन श्लोकों का रोजाना पाठ
करने से जीवन में आएंगे सकारात्मक बदलाव

श्री कृष्ण ने अर्जुन के जरिए समस्त संसार को गीता का अमृत संदेश दिया था। ऐसे में आज हम आपको गीता के 5 ऐसे श्लोक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो किसी भी व्यक्ति के जीवन में बड़े सकारात्मक बदलाव लाने में सहायता करते हैं। हमारे देश में भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित तमाम मंदिर हैं, जहां पर भक्तों की भारी भीड़ होती है। वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। श्रीमद्भागवत गीता में जीवन के सभी प्रश्नों के उत्तर मिलते हैं। बता दें कि यह ग्रंथ हिंदू विचारों की समग्रता को दर्शाता है। अर्जुन के माध्यम से श्री कृष्ण ने समस्त संसार को गीता का अमृत संदेश दिया था। इस ग्रंथ के जरिए मनुष्य को विषम से भी विषम परिस्थितियों में सही मार्गदर्शन देने का काम करती है।

1- नैनं छिद्रन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुत ॥

2- उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥

3- क्रोधाद्भवति संमोहः संमोहात्स्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति॥

4- ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते॥

5- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

कैसे हुई शारदीय नवरात्र की शुरुआत ?
महिषासुर के वध से जुड़ी है इसकी कथा ...

शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा की पूजा करने का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि इस शुभ अवधि के दौरान मां दुर्गा की सच्चे मन से उपासना और व्रत करने से घर में खुशियों का आगमन होता है और परिवार के सदस्यों को माता रानी की कृपा प्राप्त होती है। हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्र की शुरुआत होती है। इस बार शारदीय नवरात्र का शुभारंभ 03 अक्टूबर से होगा। वहीं, इस पर्व का समापन 11 अक्टूबर को होगा। इसके अगले दिन यानी 12 अक्टूबर को दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। नवरात्र में साधक शुभ फल की प्राप्ति के लिए व्रत रखते हैं। धार्मिक मान्यता है कि शारदीय नवरात्र में मां दुर्गा की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने से जीवन के सभी दुख-दर्द दूर होते हैं। साथ ही माता रानी अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाती हैं। कई लोग शारदीय नवरात्र व्रत तो रखते हैं, लेकिन शायद उन्हें इसके इतिहास के बारे में पता नहीं होगा। ऐसे में आइए इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किस प्रकार से शारदीय नवरात्र की शुरुआत हुई?

ऐसे हुई शारदीय नवरात्र की शुरुआत

पौराणिक कथा के अनुसार, महिषासुर नाम का राक्षस था। उसने तपस्या कर ब्रह्मा जी से अमर होने का वरदान प्राप्त कर लिया था, जिसकी वजह से वह देवताओं को सताने लगा था। वह पृथ्वी और स्वर्ग पर कई तरह के अत्याचार करने लगा।

मां दुर्गा ने महिषासुर का किया सामना

देवी-देवताओं ने महिषासुर के अत्याचार से छुटकारा पाने के लिए भगवान शिव और भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु जी से प्रार्थना की। इसके पश्चात देवताओं ने अपनी सभी शक्तियों को मिलाकर मां दुर्गा को प्रकट किया और उन्हें श्रेष्ठ अस्त्र-शस्त्र दिए। इसके बाद मां दुर्गा ने महिषासुर का सामना किया।

मां दुर्गा ने किया वध

उन दोनों के बीच युद्ध 9 दिनों तक चला और इसके बाद दसवें दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया है और देवी-देवताओं को महिषासुर के अत्याचार से मुक्ति दिलाई। धार्मिक मान्यता है कि देवी-देवताओं ने इन 9 दिनों में मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना कर उन्हें बल प्रदान किया। माना जाता है कि तभी से नवरात्र की शुरुआत हुई।

वृंदावन आने से पहले जरूर जान लें ये जरूरी बातें
वरना नहीं कर पाएंगे श्रीकृष्ण के दर्शन

देश और दुनिया हर जगह से लोग भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा-वृंदावन दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। मथुरा-वृंदावन में हर रोज हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां पर भगवान श्रीकृष्ण की अनगिनत मंदिर हैं। हालांकि बहुत सारे लोग ऐसे भी होते हैं, जो बिना पहले किसी जानकारी के वृंदावन पहुंच जाते हैं। जिसकी वजह से उनके साथ भीड़ में फसने, होटल ना मिलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अगर आप भी वृंदावन आने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। जिससे कि आपको यहां पर किसी तरह की समस्या न हो।

बांके बिहारी मंदिर की आरती

अगर आप वृंदावन आ रहे हैं, तो बांके बिहारी मंदिर के टाइम टेबल के हिसाब से मंदिर में होने वाली आरती में शामिल हो सकते हैं और बांके बिहारी के दर्शन भी कर सकते हैं।

बांके बिहारी मंदिर सुबह 08.45 से दोपहर 1.00 बजे तक खुला रहता है। इस मंदिर में रात को 08.25 पर आरती की जाती है।

वृंदावन के मंदिर

वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों की आरती का समय भी तय किया गया है। बता दें कि राधा बल्लभ मंदिर, राधा रमण मंदिर, प्रेम मंदिर, इस्कॉन मंदिर और निधिवन में आप भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं में शामिल होकर उनके दर्शन पा सकते हैं। श्रीकृष्ण के सभी मंदिरों में अलग-अलग समय पर झांकियां और लीलाओं के दर्शन किए जाते हैं। यह सभी मंदिर 5 किमी के दायरे में आते हैं। ऐसे में आप सड़क मार्ग से होते हुए इन सब मंदिर में दर्शन कर सकते हैं।

स्टे

अगर आप वृंदावन में रुकने का प्लान बनाकर आए हैं, तो यहां पर आपको कई ऐसी धर्मशालाएं मिल जाएंगी। जहां पर आप आराम से रुक सकते हैं। वहीं कुछ धर्मशालाओं में खाने और रहने का पैसा भी नहीं देना होता है। आप जो भी श्रद्धानुसार दान करना चाहें कर सकते हैं। वृंदावन में जगह-जगह भंडारे होते हैं, जहां पर आप बिना खर्च किए खा पी सकते हैं। हालांकि वृंदावन में काफी भीड़ रहती है, इसलिए अगर आप यहां बच्चों के साथ आ रहे हैं, तो उनकी जरूरत का हर सामान लेकर आएं।

न फैलाएं कूड़ा

अक्सर लोग वंदावन धाम धार्मिक भावनाओं के साथ आते हैं, लेकिन इस दौरान वह अंजाने में कई गलतियां भी कर बैठते हैं।

बता दें कि जिस तरह से आप अपने घर में साफ-सफाई रखते हैं। ठीक उसी तरह यहां आने वाले हर व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह वृंदावन को साफ रखें। न सिर्फ वृंदावन बल्कि आप जिस भी धार्मिक स्थल जाएं, वहां पर कूड़ा न फैलाएं।

बृजवासियों की बुराई

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी वृंदावन में अक्सर लोगों को मजाक करते हुए देखा सकता है। यहां आने के बाद बृजवासियों की बातों का बुरा नहीं मानना चाहिए और बृजवासी की बुराई नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से बांके बिहारी को बुरा लग सकता है।

आलू सिंह महाराज की पुण्यतिथि कल

सांध्य ज्योति न्यूज

खाटूश्यामजी। कस्बे में बाबा श्याम की महिमा को देशभर में फैलाने वाले आलूसिंह महाराज की 35वीं पुण्यतिथि 2 अक्टूबर को मनाई जाएगी। आयोजन की जानकारी देते हुए उनके पोते मोहन दास सिंह चौहान महाराज ने बताया कि आज एक अक्टूबर को श्री श्याम बगीची में भजन संध्या होगी। 2 अक्टूबर को पूजा के साथ भंडारे का आयोजन होगा। आलू सिंह महाराज के भक्त उनके इस स्मरणीय दिन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए देश के कोने-कोने से खाटूश्यामजी पहुंच रहे हैं।

सांध्य ज्योति दर्पण के संस्करण कार्यालय

अलवर कार्यालय
केडलगंज, अलवर,
संपादक सीपी सैनी
फोन : 2335105,

नागौर कार्यालय
राजकीय अस्पताल के सामने,
नागौर
सम्पादक : रमेश जैन,
फोन : 240071,
फैक्स- 01582-240071

भरतपुर कार्यालय
कोतवाली रोड, भरतपुर
संपादक : जगदीश अग्रवाल,
फोन : 223780

सूचना

जयपुर के आसपास के क्षेत्र में समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए एजेंट/ एजेंसी संपर्क करें।

पदमाकर शर्मा
मो. 9462779250, 8875007955

आपके क्षेत्र की समस्या या कोई घटना जिससे जनता प्रभावित हो रही हो ऐसे समाचार आप छपवाना चाहते हैं तो निम्न पते पर भिजवायें या फैक्स, ईमेल करें।

सम्पादकीय शाखा
दैनिक सांध्य ज्योति दर्पण
डी.एल.टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम,
संस्थानिक क्षेत्र,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर
फोन: 2709102/03,
फैक्स: 2709275
ईमेल: sjdjp01@yahoo.co.in
Jyoti.sandhya@gmail.com

आवश्यक सूचना

आप अपने क्षेत्र के समाचार / विज्ञापन के लिए हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधि से सम्पर्क करें :

जयपुर
अमित पारीक
10/75, चित्रकूट,
वैशाली नगर, जयपुर
मो.- 9829055693

उदयपुर
कलाधर शर्मा
मो. : 9983826983

दौसा
द्वारका प्रसाद विजय
मो.: 9414819681

कोटा
योगेन्द्र योगी
मो. : 9887292174

चौमूं
मनीष यादव
मो. : 9667902742,
7014880612

रींगस/ खाटूश्यामजी
विद्याधर शर्मा
मो. : 9413072455

कोटपुतली
मयंक शर्मा
मो. : 9352106400

लक्ष्मणगढ़
पूनम विशाल
मो. : 9351274354

मण्डावर (दौसा)
राहुल जोशी
मो. : 8561935868

चाकसू
रूपनारायण सांवरिया
मो. : 6376888905

धौलपुर
वेदप्रकाश त्यागी
मो. : 9351845611

'वर्षों से लंबित रास्तों के मामले प्राथमिकता से निस्तारण करें'

जिला कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में अतिक्रमण पर नियमानुसार कार्रवाई के दिए निर्देश

सांध्य ज्योति न्यूज

सीकर। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर शर्मा ने सभी अधिकारियों से राजस्व मामलों की प्रगति रिपोर्ट ली तथा संबंधित अधिकारियों को उनसे संबंधित राजस्व कार्यों को मिशन मोड पर लेकर उनका त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने कहा कि अधीनस्थ न्यायालयों में जो लंबित मामले चल रहे है, उनसे संबंधित अधिकारी मिशन मोड पर लेकर उनका निस्तारण करने के साथ ही एलआर एक्ट के तहत विचाराधीन मामलों के निस्तारण के लिए प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले में नामांतरण और रास्तों के मामले जो वर्षों से लंबित चल रहे हैं, उनकों आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति करवाकर प्राथमिकता से निस्तारण करें और भू-रूपांतरण और आवंटन के लंबित आवेदनों का समयबद्धता के साथ निस्तारण करें। सार्वजनिक रास्तों के सीमांकन एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को खाता विभाजन और बंटवारे के प्रकरणों का प्रत्येक पटवार मंडल में निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी राजस्व अधिकारी राजस्व प्रकरणों में तहसीलवार लक्ष्य निर्धारित कर प्रकरणों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने लेण्ड कनवर्जन के प्रकरणों का 45 दिवस में निस्तारण करने, रास्तों के विवाद, 183बी, सीमाज्ञान, इजराय, चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने तथा न्यायालयों, लोकायुक्त, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रकरणों में जवाबनामा समय पर भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंन एलआर एक्ट में राजस्व वसूली करने, आंतरिक लेखा जांच दल के आक्षेपों में संबंधित कार्मिक से रिकवरी करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर ने ई-फाईलिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि चरणबद्ध तरीके से पुरानी फाईलों को भी ई-फाईल पर अपलोड किया जाए। अधिकारी ई-फाईलिंग के डिस्पोजल टाइम में सुधार करें। नियमित रूप से फाईलों का निस्तारण हो। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने सम्पर्क पोर्टल के प्रकरणों का समयबद्धता से निस्तारण करने के साथ ही बजट घोषणाओं में भूमि आंवटन में प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

वार्डों में विकास को लेकर पालिका कर रही भेदभाव

सांध्य ज्योति न्यूज

खाटूश्यामजी। कस्बे में विकास को लेकर नगरपालिका प्रशासन द्वारा ही भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा समानता से वार्डों में विकास नहीं किया जा रहा पार्षद प्रतिनिधि अशोक कुमार द्वारा आरोप लगाते हुए विरोध जताकर ज्ञापन दिया गया। जब बोर्ड मिटिंग के बिना व बिना पार्षद की सहमती के बजट वितरण में अनियमिता हुई है। सभी वार्डों को समान रूप से बजट वितरण किया जाए। निर्माण कार्य व अन्य टैंडर में हो रही अनियमितता व टैण्डरों में धांधली कर निरस्त किए हैं। इसके साथ ही सकाई में लगातार अवगत करवाने के बाद भी ठेकेदार द्वारा अनियमितता कि गई इसके विरुद्ध कार्यवाही आदेश करें। सफाई टैन्डर निरस्त कर पुन टैण्डर करें। मौजूदा ठेकेदार को ब्लेक लिस्ट करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर विरोध जताकर ज्ञापन देकर समाधान की मांग की गई। इस दौरान पार्षद अनिल कुमार शर्मा, दामोदर प्रसाद वर्मा सहित अनेक वार्ड वासी उपस्थित रहे।

श्याम भक्तों ने की 30 दिवसीय पदयात्रा

सांध्य ज्योति न्यूज

खाटूश्यामजी। कस्बे में बाबा श्याम की धार्मिक नगरी में लाखों श्रद्धालु बाबा श्याम के दरबार में श्रद्धालु पैदल पद यात्राओं को देखकर हावड़ा कोलकाता के आशीष अग्रवाल व अनुराग अग्रवाल ने भी एक माह तक बाबा श्याम की पदयात्रा करने का संकल्प किया और सितंबर माह में रींगस से लेकर खाटू धाम तक पद यात्रा कर बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाकर मनोकामनाएं मांगी।

श्याम भक्त आशीष अग्रवाल ने बताया की बाबा श्याम के दरबार में 15 वर्षो से आ रहे हैं बाबा श्याम में अटूट आस्था के चलते एक माह तक लगातार पद यात्रा करने का मानस बनाकर एक माह तक लगातार पद यात्रा कर बाबा श्याम के निशान अर्पित किए खुशहाली की मंगल कामना की।

ऊर्जावान युवा तैयार करती है स्काउटिंग : तोबड़िया

रींगस में स्काउट्स ने कैंप फायर में दी अनेक प्रस्तुतियां

सांध्य ज्योति न्यूज

रींगस। राजस्थान राज्य भारत स्काउट और गाइड स्थानीय संघ के द्वारा बावड़ी बालाजी धाम बावड़ी में आयोजित स्काउट प्रशिक्षण शिविर में बालक-बालिकाएं राष्ट्रनिर्माण सीख रहे हैं। इसके साथ ही प्रतिदिन रात्रि में कैंप फायर का आयोजन किया जा रहा है। जिससे स्काउट्स द्वारा अनेक प्रस्तुतियां दी जा रही है।संघ सचिव विष्णु कुमार जोशी ने बताया कि प्रातः स्थानीय संघ की सहायक जिला कमिश्नर और राउमावि जाजोद की प्रधानाचार्य सुमन तोबड़िया ने ध्वजारोहण किया। इन्होंने अपने सम्बोधन में बताया की किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए अनुशासित नागरिकों की का बहुत महत्व होता है और स्काउटिंग के माध्यम से ये ऊर्जावान युवा तैयार हो रहे हैं। प्रशिक्षण में अनुशासन, दिशाओं का ज्ञान, खोज के चिन्ह, तारामंडल का ज्ञान, कंपास, स्ट्रेचर बनाना, सिर हाथ पैर के फैक्चर होने पर बांधी जाने वाली उपचार पट्टियां, फर्स्ट एड, कैंप फायर प्रोग्राम्स आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर घासीराम सैनी, राजेंद्र मौर्य, बीरबल वर्मा, रामेश्वर पालीवाल, शंकर लाल जाट, कृष्ण कुमार यादव, निक्की जांगिड, कृष्ण कुमार शर्मा, सुभाष देवंदा, ज्योति राजावत, स्वाति शर्मा, कोमल शर्मा, पूजा कुमावत, रूपनारायण मंगावा, शंकर लाल रैगर, संदीप कुमार, सुमित शर्मा, गोवर्धन बावड़ीका, पंकज गर्ग, मनोज बावड़ीका, सुनील खेमका, भारत धींगडा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फिल्म अभिनेता गोविंदा की पत्नी ने किए श्याम दर्शन

सांध्य ज्योति न्यूज

खाटूश्यामजी। कस्बे के प्रसिद्ध बाबा श्याम के दरबार में फिल्म अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहुजा ने बाबा श्याम के दर्शन किए और पूजा अर्चना की। श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेन्द्र सिंह चौहान ने पूजा-अर्चना करवाकर बाबा श्याम का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। सुनीता आहुजा ने बाबा श्याम से परिवार और समाज व देश में खुशहाली की कामना की।

गंगापुर सिटी को जिला बनाए रखने को लेकर सीएम से मिलेंगे भाजपाई

सांध्य ज्योति न्यूज

गंगापुर सिटी। सोमवार को गंगापुर सिटी में शहर मंडल अध्यक्ष नवीन शर्मा की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक रखी गई जिसमें गंगापुर सिटी को यथावत जिला रखा जाए इस बारे में सभी ने अपने-अपने विचार रखें। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री भजनलाल एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मिलेगा और गंगापुर सिटी को यथावत जिला बनाए रखने के बारे में मांग करेगा गंगापुर सिटी भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता भी गंगापुर जिला यथावत रहे इस बारे में सक्रिय है और पूरी तरह निगाह रखे हुए हैं।

दशहरा महोत्सव को लेकर समिति की बैठक

सांध्य ज्योति न्यूज

खाटूश्यामजी। कस्बे के नवीन दशहरा समिति की कार्यकारिणी की बैठक समिति के अध्यक्ष पप्पू शर्मा के अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान दशहरा महोत्सव धूमधाम से मनाने के साथ-साथ समिति का आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया। उपस्थित सदस्यों ने विभिन्न किरदार निभाने वाले सदस्यों को समय पर आने के लिए पाबंद किया गया। इस दौरान दशहरा समिति की व्यवस्थाओं को लेकर दो टीमों का गठन किया गया जिन्हें अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई जो कि रावण दहन स्थल व मुख्य बाजार पर व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालेंगे। समिति के प्रेस प्रवक्ता सीताराम मीणा ने बताया कि हर वर्ष की भांति दशहरा महोत्सव हर्षोल्लाह के साथ मनाया जाएगा और रात्रि में भगवान के 24 अवतारों पर आधारित नृसिंह लीला का आयोजन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर समिति के देवकीनंदन वशिष्ठ,सुरेश कुमार तिवाड़ी, मुकेश तिवाड़ी, सुभाष रामूका, सीताराम पारीक, दिनेश तिवारी,कालू सिंह चौहान, पूर्ण तिवाड़ी, शिवराज सिंह चौहान, आशुतोष मटोलिया सहित समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

बच्चों को दिए फिजियोथेरेपी के टिप्स

सांध्य ज्योति न्यूज

रींगस। शेखावाटी सहित प्रदेश में फिजियोथैरेपी क्षेत्र के सबसे बड़े ताखर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर रींगस के निदेशक डॉ भंवर सिंह ताखर द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत निकटवर्ती ग्राम पंचायत अरनिया की गायत्री पब्लिक स्कूल के बच्चों को फिजियोथेरेपी के माध्यम से स्वस्थ रहने एवं बीमारियों के बचाव संबंधित सुझाव एवं उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं आवश्यक एक्सरसाइज के डेमो देकर समझाया गया, डाक्टर ताखर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम अनुशासन पूर्ण जीवन बिताएं एवं व्यायाम व खेलो को अपने जीवन में जगह दें साथ ही खान-पान पर विशेष ध्यान रखें तो बीमारियों से बचा जा सकता है और छात्रों को जीवन में हमेशा एक बात की गांठ बांध लेनी चाहिए की स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है , इसलिए स्वस्थ रहने के नियमित व्यायाम करें और फिजियोथैरेपी को अपने जीवन में आत्मसात करें इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

68वीं राज्यस्तरीय रोलर क्रीड़ा प्रतियोगिता

सांध्य ज्योति न्यूज

सवाई माधोपुर। जिला मुख्यालय पर आयोजित 68 वीं राज्य स्तरीय छात्र-छात्रा रोलर स्केटिंग कीड़ा प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम आलनपुर स्थित एक गार्डन में आयोजित किया गया। स्टेट लेबल की इस प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से करीब आठ सौ छात्र छात्राएं भाग लेने आए है। यहां आए सभी खिलाड़ियों की वतन फाउंडेशन टीम ने गार्डन में चाय और बिस्किट का अल्पाहार देकर सेवा की। टीम वतन फाउंडेशन के हुसैन आर्मी ने बताया कि हमारा पैगाम भाईचारे के नाम की थीम पर काम करने वाली वतन फाउंडेशन की टीम ने सोमवार को आलनपुर स्थित मैरिज गार्डन में आयोजित 68 वीं राज्य स्तरीय छात्र-छात्रा रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता उद्घाटन समारोह में भाग लेने आए हुए राजस्थान के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों के लिए अल्पाहार स्वरूप चाय और बिस्किट देकर सेवा कार्य किया।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा 2024 के लिए ऑनलाइन लॉटरी निकाली

सांध्य ज्योति न्यूज

सीकर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2024 के चरणबद्ध क्रियान्वयन के अंतर्गत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए तीर्थ यात्रियों का चयन करने के लिये ऑनलाईन लॉटरी सोमवार को जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में निकाली गई। इस अवसर पर देवस्थान विभाग के निरीक्षक सुरेन्द्र पूनियां द्वारा लॉटरी प्रक्रिया से अवगत करवाया गया। इसके पश्चात जिला कलक्टर शर्मा द्वारा तीर्थ यात्रियों का चयन करने के लिये ऑनलाइन लॉटरी निकाली। राजस्थान प्रदेश के मूल निवासी 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिको को उनके जीवनकाल मे एक बार प्रदेश से बाहर देश मे स्थित विभिन्न तीर्थ स्थलों मे से 15 तीर्थ स्थलों मे से एक तीर्थ स्थल की रेल से यात्रा या देश से बाहर पशुपतिनाथ नेपाल की हवाई जहाज से यात्रा के लिए देवस्थान विभाग राज्य सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2024 के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों से 23 सितम्बर 2024 तक आवेदन मांगे गए थे, जिसमें सीकर जिले से 2233 आवेदन से 3768 यात्रियों ने आवेदन किया है। जिसमें 881 यात्रियों का रेल यात्रा के लिए तथा 176 यात्रियों का हवाई यात्रा के लिए चयन किया गया।

श्रीऋषिकुल विद्यापीठ में साइंस मॉडल प्रदर्शनी

सांध्य ज्योति न्यूज

लक्ष्मणगढ़। श्रीऋषिकुल विद्यापीठ परिसर में विज्ञान विषय के मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया विज्ञान विषय के विद्यार्थियों के द्वारा वर्तमान आधुनिक युग में आवश्यकता के लिए आवश्यक मॉडल बनाकर प्रदर्शन किया गया। कार्य म में तोदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नगेंद्र सिंह नाथावत बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे

तोदी महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षक सुरेंद्र सिंह, समाजसेवी दामोदर मंगलहारा लक्ष्मणगढ़ राजकीय महाविद्यालय की सहायक आचार्य सुधा जाजोदिया ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में तोदी महाविद्यालय प्राचार्य ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में विज्ञान के बिना जीवन दुर्लभ हैं विज्ञान में निरंतर अनेक प्रकार की आविष्कार हो रहे हैं। विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए मॉडल बहुत ही शानदार अविश्वसनीय है, आप सभी इसी तरह मेहनत एवं लगन से अपना प्रयास करते रहे। विद्यापीठ प्राचार्या डॉ रेखा शर्मा ने सभी बच्चों को विज्ञान के सार्थक परिणाम के बारे में अवगत करवाया और कहा कि आज के समय बिना विज्ञान के कुछ भी संभव नहीं है विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में श्रीऋषिकुल विद्यापीठ का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

श्रीमाधोपुर में निःशुल्क शुगर, बीपी एवं परामर्श शिविर में 36 लोग लाभान्वित

सांध्य ज्योति न्यूज

श्रीमाधोपुर। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम दिवस लगाए जाने वाला शिविर इस बार 30 सितंबर सोमवार को लगाया गया। क्लब अध्यक्ष सीताराम सैनी ने बताया कि आयोजित शिविर में 36 लोगों की शुगर, ब्लड प्रेशर एवं वजन की निशुल्क जांच की गई तथा डॉ महेंद्र प्रताप तिवारी द्वारा निशुल्क परामर्श दिया। जांच में शिवपाल योगी, महेंद्र शर्मा और जितेंद्र शर्मा ने सहयोग दिया । इस अवसर पर क्लब सदस्य सागरमल हलवाई और बजरंग लाल कुमावत मौजूद रहे।

कोटा में पीवीसी कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव ने एनसीसी कैडेट्स को किया प्रेरित

सांध्य ज्योति न्यूज

कोटा। कारगिल युद्ध में भाग ले चुके मानद कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव, प्रतिष्ठित परमवीर चक्र से सम्मानित ने एनसीसी ग्रुप कोटा के तहत 14 राजस्थान बटालियन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सभी एनसीसी कैडेटों को मंत्र मुग्ध कर देने वाले व्याख्यान के साथ युद्ध के दौरान उनके वीरता पूर्ण कार्यों के बारे में बताया। कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव ने विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए साहस, बलिदान और अटूट दृढ़ संकल्प के मनोरंजक वृत्तांत साझा किए, जिससे दर्शक विस्मय में रह गए। एनसीसी ग्रुप कोटा के तत्वावधान में 14 राजस्थान बटालियन एनसीसी कोटा द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल, तलवंडी कोटा में दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 2 अधिकारी, 10 एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, 40 पीआई स्टाफ और 500 एनसीसी कैडेट एनसीसी शिविर में भाग ले रहे हैं। एनसीसी कैम्प में राजस्थान के विभिन्न पृष्ठ भूमियों और विभिन्न जिलों से आए एनसीसी ग्रुप कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, टोंक, चित्तौड़गढ़, अलवर, भरतपुर, करौली, गंगापुरसिटी और सवाई माधोपुर 1/2 कैडेट कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव के प्रेरक शब्दों को सुनने के लिए उत्सुकता से एकत्रित हुए।

सरकार द्वारा अधिकृत मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग, हिन्दू संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

सांध्य ज्योति न्यूज

श्रीमाधोपुर। शहर के हिंदू संगठनों ने सोमवार को सरकार द्वारा अधिकृत मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग को लेकर राजस्थान सरकार व राज्यपाल के नाम उपखंड कार्यालय पर सौंपा। दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि तिरुपति बालाजी मंदिर में वितरित होने वाले महाप्रसाद की पवित्रता के संबंध में आस्थावान हिंदुओं की बहुत बड़ी श्रद्धा होती है। दुर्भाग्य से इस महाप्रसाद को बनाने वाले घी में गाय व सूअर की चर्बी तथा मछली के तेल की मिलावट के अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हो रहे हैं, जिसको लेकर पूरे देश में हिंदू समाज काफी आक्रोशित है। इस पवित्र तीर्थ का संचालन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित बोर्ड के द्वारा किया जाता है। विहिप, बजरंग दल समेत हिंदू सामाजिक संगठनों ने महामंडलेश्वर ओमकार दास महाराज के नेतृत्व में उपखंड कार्यालय पर ज्ञापन देकर सरकार द्वारा अधिकृत मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग की है। इस मौके पर इस मौके पर विहिप जिला उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, प्रखंड अध्यक्ष अजय मिश्रा, एड. अमित ठठेरा, किशन स्वामी, बजरंग दल प्रखंड संयोजक दीपेंद्र योगी, सत्यनारायण सेन, मनोज लोकनाथका, विष्णु मिश्रा, शंकर गोपालका, लक्ष्मीकांत हरितवाल, आशीष तिवाड़ी, अजय नांगलका, चेतन खांडल, सुभाष चेजारा, मुकेश स्वामी आदि मौजूद थे।

सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सरोज धर्मावत एवं रशीदा डामोर का सम्मान

सांध्य ज्योति न्यूज

उदयपुर। राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन उदयपुर के जिला अध्यक्ष पवन कुमार दानाध्यक्ष एवं प्रवीण चारपोटा के नेतृत्व में एमबी अस्पताल के सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सरोज धर्मावत एवं रशीदा डामोर का उत्कृष्ट नर्सिंगग सेवाओं एवं उत्तम व्यवहार के लिए माला एवं साफा पहनाकर, उपरणा व शोल ओढ़ाकर, प्रसंसा पत्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर कर स्वागत व अभिनंदन किया गया। सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल लाल गरासिया, नर्सिंग अधीक्षक सम्पत लाल बडारा, गीता आहारी, ,हरिलता गंधर्व, शारदा गरासिया, हसीना आहरी थी। विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत आमेटा, सम्भागीय अध्यक्ष नरेश पूर्बिया, संरक्षक रमेश मीणा व प्रदेश सचिव लाल चंद ऐचरा थे। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष परमार ने किया। सभी अतिथियों ने सरोज धर्मावत व रशीदा डामोर के उत्कृष्ट नर्सिंग सेवाओं की खुब प्रशंसा की। मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि नर्सेज अस्पताल की रीढ़ की हड्डी हैं। इनके नर्सिंग सेवाओं से मरीज स्वास्थ्य हो कर घर जाता है।

पूर्व महाराजा सूरजमल की छतरी तोड़ना लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ : गुंजल

सांध्य ज्योति न्यूज

कोटा। कोटा उत्तर पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने तुलसी गांव बूंदी में पूर्व नरेश सूरजमल हाडा की 500 साल से भी ज्यादा पुरानी रियासतकालीन छतरी को केडीए द्वारा तोड़े जाने पर गहरी आपत्ति दर्ज कराई है। गुंजल आज बूंदी के तुलसी गांव पहुंचे जहां उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करके कहा कि यह छतरी तोड़ने का विषय नहीं है पूर्व महाराजा सूरजमल हाड़ा जी की छतरी तोड़ना लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि सर्व समाज इसमें गहरी आपत्ति प्रकट करता है हमें भी आपत्ति है। गुंजल ने कहा सर्व समाज जो भी निर्णय करेगा उसमें हम उनके साथ हैं उन्होंने कहा कि यह कोई अतिक्रमण करके बनी छतरी नहीं है।

सुनील जाखड़ के इस्तीफे की खबरों को भाजपा ने किया खारिज

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि उसके पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सीमावर्ती राज्य में पंचायत चुनाव से पहले अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भाजपा ने जाखड़ को लेकर चल रही इन मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह से निराधार बताया। गुजरात के पूर्व सीएम और पंजाब और चंडीगढ़ के बीजेपी प्रभारी विजय रूपाणी ने आज साफ कहा कि सुनील जाखड़ (पंजाब भाजपा प्रमुख) अभी भी हमारे अध्यक्ष हैं। पार्टी उनके नेतृत्व में काम कर रही है। उन्होंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। ये सिर्फ मीडिया में अफवाहें हैं। पंजाब बीजेपी महासचिव अनिल सरीन ने इन खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि जाखड़ पार्टी की राज्य इकाई का नेतृत्व कर रहे हैं।

प्रदर्शन का शालीन तरीका : हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में अवैध निर्माण के विरोध में गाजे-बाजे से विरोध जताते लोग।

रोम की संस्कृति मानने वाले राम की संस्कृति का कर रहे अपमानः सीएम योगी

भिवानी/हिसार/नारनौंद/पंचकुला, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कांग्रेस को खूब लताड़ा। बोले कि 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के करकमलों से भगवान श्रीरामलला अयोध्या धाम में विराजमान हो गए। देश व दुनिया आनंदित है, लेकिन घड़ियालू आंसू बहा रही बदनसीब कांग्रेस को इससे भी नफरत है। यही अंतर राम की संस्कृति व रोम की संस्कृति में है। राम की संस्कृति में पला-बढ़ा व्यक्ति प्रभु श्रीराम की मर्यादा का पालन करते हुए 500 वर्ष तक निरंतर लड़ता रहा। प्रभु राम अयोध्या धाम में विराजमान हो गए, लेकिन रोम की संस्कृति में पले-बढ़े बदनसीब 'एक्सीडेंटल हिंदू' इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। एक्सीडेंटल हिंदु देश और जनता के प्रति कभी ईमानदार नहीं हो सकते। राम भारत के प्रतीक हैं। जो राम का नहीं, वो हमारे किसी काम का नहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को हरियाणा में चार जनसभा की।

दरअसल उनका खानदान ही जिंदगी भर नाचगाना करता रहा : राहुल गांधी के बयान पर बिफरे सीएम योगी ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर नाच गाना चल रहा था, दरअसल उनका खानदान ही जिंदगी भर नाचगाना करता रहा। हिंदुओं का अपमान, सनातन संस्कृति को कोसना और भारत के बाहर संवैधानिक संस्थाओं को खड़ा करके कांग्रेसी अपनी योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। 1526 में राम मंदिर तोड़कर गुलामी का ढांचा खड़ा कर दिया गया था। मुगल-अंग्रेज नहीं चाहते थे कि हिंदु धर्म-संस्कृति का नामोनिशान रहे, लेकिन आजाद भारत की पहली सरकार जिन बदनसीबों के हाथ लगी, उन्होंने भी भारत को गौरव के साथ खड़ा नहीं होने दिया।

हरियाणा में राहुल ने थामा हुड्डा-शैलजा का हाथ

कांग्रेस में दिया एकजुटता का संदेश

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राज्य में पार्टी के भीतर उठापटक की स्थिति को कम करते हुए एकजुटता का संदेश दिया है। दरअसल, हरियाणा कांग्रेस में लगातार गुटबाजी की खबर आ रही थी। दावा किया जा रहा था कि भूपिंदर सिंह हुड्डा और सिरसा सांसद कुमारी शैलजा के बीच मनमुटाव है। इसी को देखते हुए राहुल ने दोनों को हाथ एक-दूसरे से मिलाते हुए लोगों का अभिवादन करवाया है।

इस दौरान उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद रही। राहुल अंबाला जिले के नारायणगढ़ से हरियाणा विजय संकल्प यात्रा की शुरूआत करने पहुंचे थे। नारायणगढ़ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का मूल स्थान भी है, जो पड़ोसी जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। गांधी भाई-बहन लाडवा से होकर थानेसर जाएंगे। चुनावी राज्य में यह उनकी पहली संयुक्त उपस्थिति है। वहीं, अपने भाषण के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर उद्योगपतियों के लिए काम करने का आरोप लगाया और दावा किया कि जैसे 'सुनामी आती है, वैसे ही गौतम अदाणी के बैंक खाते में पैसे आते रहते हैं', जबकि आम आदमी संघर्ष करता रहता है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाएगी और बदलाव लाएगी।

अंबाला जिले के नारायणगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लड़ाई कांग्रेस और भाजपा तथा उनकी विचारधाराओं के बीच है। उन्होंने कहा, 'एक तरफ न्याय और दूसरी तरफ अन्याय है।' रैली के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा कुमारी सैलजा भी उपस्थित रहे। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह सरकार बड़े उद्योगपतियों की है। उन्होंने कहा, 'हरियाणा में हमें ऐसी सरकार नहीं चाहिए, बल्कि किसानों, मजदूरों और गरीबों की सरकार चाहिए।' अमेरिका की अपनी हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने वहां हरियाणा के कुछ प्रवासियों से मुलाकात की जो बेहतर भविष्य की तलाश में वहां गए थे क्योंकि उन्हें अपने गृह राज्य में रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देखना महत्वपूर्ण है कि कितना पैसा गरीब और आम लोगों की जेब में आ रहा है और कितना बाहर जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा, 'आपको यह पूछना होगा कि क्या आपकी जेब से अधिक पैसा जा रहा है या आपकी जेब में अधिक पैसा आ रहा है?' उन्होंने दावा किया, 'अदाणी जी के बारे में सोचिए।

पीड़िता की पहचान उजागर होने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीबीआई जांच पर जताई संतुष्टि

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टर से रेप और फिर मर्डर केस में स्वत: संज्ञान याचिका पर सुनवाई शुरू कर दी है। सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने सीबीआई द्वारा प्रस्तुत स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा की, जिसे मामले की जांच का काम सौंपा गया है। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआई ने पर्याप्त प्रगति की है, चल रही जांच में कई प्रमुख सुराग सामने आ रहे हैं। अदालत ने भी हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया लेकिन न्याय सुनिश्चित करने के लिए गहन और त्वरित जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। इससे पहले, जूनियर डॉक्टरों ने दावा किया था कि वे 30 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में आरजी कर मामले की सुनवाई के दौरान कार्यस्थलों पर उनकी सुरक्षा पर राज्य सरकार की दलील को देखने के बाद पूरी तरह से 'काम बंद' करने का फैसला करेंगे।

देश के नए वायुसेना चीफ के रूप में एयर मार्शल एपी सिंह ने संभाली कमान

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। एक कुशल टेस्ट पायलट, एयर मार्शल एपी सिंह ने आज भारतीय वायु सेना के नए प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी भी मौजूद थे। एपी सिंह मौजूदा एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी की जगह लेंगे। वीआर चौधरी अपने तीन साल के कार्यकाल को पूरा करने के बाद रिटायर हो रहे हैं। एयर मार्शल एपी सिंह वर्तमान में वायु सेना के उप प्रमुख के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। 27 अक्टूबर, 1964 को जन्मे एयर मार्शल एपी सिंह को दिसंबर 1984 में भारतीय वायु सेना के लड़ाकू पायलट स्ट्रीम में कमीशन किया गया था। लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान, उन्होंने विभिन्न कमान, स्टाफ, निर्देशात्मक और विदेशी नियुक्तियों में कार्य किया है। नेशनल डिफेंस एकेडमी, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र, एयर ऑफिसर एक योग्य उड़ान प्रशिक्षक और एक प्रायोगिक परीक्षण पायलट हैं।

नए एयर चीफ अमर जीत सिंह ने कुछ यूं संभाला काम : भारतीय वायुसेना के नए प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का बेहद खास वीडियो सामने आया है। इसमें वायुसेना प्रमुख अपनी मां को सैल्यूट करते हुए और पैर छूकर आशीर्वाद लेते हुए नजर आ रहे हैं। ये खास तस्वीरें उस समय सामने आईं जब वायुसेना प्रमुख राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने देशवासियों के सामने खास मिसाल पेश की। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में अपनी मां पुष्पंत कौर का आशीर्वाद लेते नजर आए।

अशोक कुमार वर्मा को अतिरिक्त प्रभार

प्रयागराज, 1 अक्टूबर। महाप्रबंधक कोर अशोक कुमार वर्मा अब स्वयं के पद के अतिरिक्त, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे के पद का भी कार्यभार देखेंगे। भारतीय रेलवे स्टोर्स सेवा के अधिकारी वर्मा

1987 बैच के अधिकारी हैं और रेलवे में कई अहम पदों पर अपनी सेवा दे चुके हैं। कोर में महाप्रबन्धक का कार्यभार ग्रहण करने से पहले वर्मा उत्तर पश्चिम रेलवे में प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक के पद पर कार्यरत थे। उन्हें स्टोर्स से जुड़े मुद्दों में अपने अनुभव के अलावा, सामान्य प्रशासन का भी एक वृहद अनुभव रहा है। वर्मा ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक तथा झांसी मंडल में बतौर अपर मंडल रेल प्रबंधक के पद पर कार्य किया है। वे पूर्व में रेलवे बोर्ड में रेलवे स्टोर के कार्यकारी निदेशक के पद पर भी कार्यरत थे। इन्होंने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रयागराज से सिविल इंजीनियरिंग और आईआईएम कोलकाता से एमबीए की डिग्री ली है।

इलेक्टोरल बॉन्ड वसूली मामले में निर्मला सीतारामन को राहत

हाई कोर्ट ने जांच पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने चुनावी बांड योजना मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत दी है। पहले उनके खिलाफ चुनावी बांड वसूली मामले में एक एफआईआर दर्ज की गई थी, अब हाई कोर्ट ने मामले पर 22 अक्टूबर तक रोक लगा दी है। कर्नाटक बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील के खिलाफ दर्ज एफआईआर में 22 अक्टूबर तक आगे की जांच पर रोक लगा दी, जो उस मामले में सह-अभियुक्त हैं, जिसमें केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण को बनाया गया है। उन पर चुनावी बांड की आड़ में कुछ कंपनियों से पैसे वसूलने का आरोप है। एक विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 384 (जबरन वसूली के लिए सजा), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 34 (साझा मंशा से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

हिंसा के बीच मणिपुर में छह महीने के लिए बढ़ाई गई एफएसपीए

इंफाल, 1 अक्टूबर (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) को छह महीने के लिए और बढ़ा दिया है। राज्य सरकार के गृह विभाग की अधिसूचना के अनुसार, विस्तार 1 अक्टूबर से लागू होगा।

यह कदम पूर्वोत्तर राज्य में जारी जातीय हिंसा के बीच उठाया गया है। यह निर्णय इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 पुलिस थाना क्षेत्रों और असम के साथ अपनी सीमा साझा करने वाले क्षेत्र को छोड़कर, राज्य के अधिकांश हिस्सों पर लागू होता है। अधिसूचना के मुताबिक राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की राय है कि जमीनी स्तर पर विस्तृत मूल्यांकन करना समीचीन नहीं है क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं।

इसमें कहा गया है कि अशांत क्षेत्र की स्थिति की घोषणा का मुद्दा बहुत संवेदनशील है और अगर उचित देखभाल नहीं की गई तो सार्वजनिक आलोचना और प्रतिरोध हो सकता है। आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है कि मणिपुर के

राज्यपाल इसके द्वारा 1 अक्टूबर से छह महीने की अवधि के लिए 19 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर पूरे मणिपुर राज्य को अशांत क्षेत्र घोषित करने की मंजूरी देते हैं। जिन थाना क्षेत्रों में अफस्पा नहीं लगाया गया है, उनमें इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लामसांग, पटसोई, वांगोई, पोरोमपत, हेइंगंग, लामलाई, इरिबंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नाम्बोल, मोइरंग, काकचिंग और जिरीबाम शामिल हैं। जिन क्षेत्रों को अफस्पा के दायरे से बाहर रखा गया है, वे बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के हैं। अशांत क्षेत्र का दर्जा सबसे पहले 2004 में इंफाल नगर पालिका क्षेत्र और अप्रैल 2022 में छह जिलों के 15 थानों से हटा दिया गया था। अफस्पा कानून, अशांत क्षेत्रों में कार्यरत सशस्त्र बलों को जरूरी लगने पर तलाशी लेने, गिरफ्तारी करने तथा गोली चलाने का अधिकार देता है।

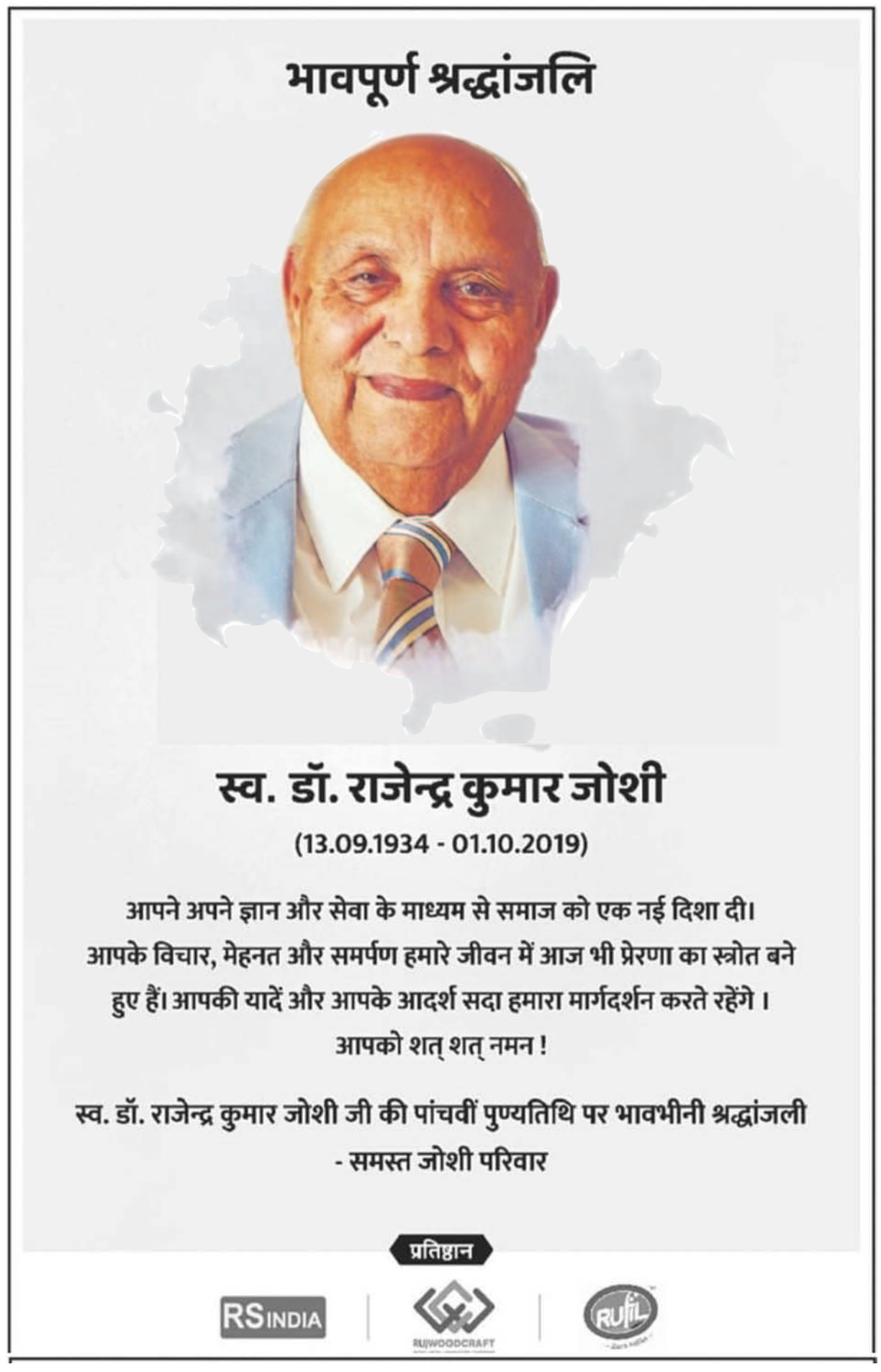

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी. एल. टॉवर 3-ए- विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित व प्रकाशित, निदेशक बी.एम. शर्मा, संपादक महेंद्र कुमार यादव, फोन : 0141-2709102, 2944103,
डाक पं.सं. / जेपीसी/012/2024-26 | आरएनआई नंबर-: 48401/88 Email- sjdjp01@yahoo.co.in, Jyoti.sandhya@gmail.com